▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 106 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 10-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 वाशिंगटन सुंदर को ऑस्ट्रेलिया में 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया

6 हादसों से बचाव का सन्देश देता है परिवहन दिवस

7 मोटापे पर पूछे गए सवाल पर भड़की एक्ट्रेस गौरी जी. किशन

फर्स्ट टेक

अंडमान सागर में 5.4 तीव्रता का भूकंप आया

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। अंडमान सागर में रविवार को 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किये गये लेकिन किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप अपराह्न 12 बजकर छह मिनट पर आया और इसका केंद्र 90 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

यूक्रेन के हमलों से रूस के दो प्रमुख शहरों में बिजली आपूर्ति बाधित

कीव/एपी। यूक्रेन द्वारा शनिवार रात किए गए हमलों के कारण उसकी सीमा से लगते रूस के दो प्रमुख शहरों में बिजली आपूर्ति और 'हीटिंग' प्रणाली बाधित हो गई। स्थानीय रूसी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रूस और यूक्रेन एक-दूसरे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लगभग प्रतिदिन हमले कर रहे हैं। लगभग चार साल से जारी युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले कूटनीतिक प्रयास बेनतीजा साबित हो रहे हैं। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने बताया कि ड्रोन हमले के कारण वोरोनिश के कुछ हिस्सों में अस्थायी रूप से बिजली बाधित हो गई और 'हीटिंग सिस्टम' (सर्दियों में इमारतों या संयंत्रों को गर्म रखने की प्रणाली) ठप हो गई। उन्होंने कहा कि दस लाख से ज्यादा की आबादी वाले शहर के ऊपर रात में कई ड्रोन को मार गिराया गया लेकिन उनके मलबे से आग लगी जिसे तुरंत बुझा दिया गया।

जापान तट पर शक्तिशाली भूकंप आया

टोक्यो/एपी। उत्तरी जापान में रविवार को शक्तिशाली भूकंप आया और इसके कई झटके महसूस किये गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। जेएमए के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.9 थी तथा केंद्र सतह से 16 किलोमीटर की गहराई पर था। एजेंसी ने बताया कि भूकंप जापान के समयानुसार शाम 5:03 बजे इवाते प्रांत के तट पर आया। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में स्थित दोनों परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को किसी तरह के नुकसान या किसी असामान्य घटना की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। एजेंसी ने उत्तरी तटीय क्षेत्र में 1 मीटर तक की सुनामी की लहरें उठने की चेतावनी जारी की तथा कहा कि कुछ स्थानों पर लहरें तीन मीटर की ऊंचाई तक उठ सकती है। उसने बताया कि इवाते प्रांत के ओफुनाटो शहर, ओमिनाटो बंदरगाह, मियाको और कामाइशी में लगभग 10 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी की लहरें देखी गईं।

10-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे | 11-11-2025 सूर्योदय 6:16 बजे

BSE	NSE
83,216.28	25,492.30
(-94.73)	(-17.40)

सोना	चांदी
12,620 रु.	150,595 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आजादी ही आजादी

दल वालों को दूजे दल में,
आने-जाने की आजादी।
भ्रष्टों के मुंह में खून लगा,
उनको खाने की आजादी।
नेताओं को बस येनकेन,
सत्ता पाने की आजादी।
हो भले बेसुरी राग मगर,
सबको गाने की आजादी।।

यूसीसी और धर्मांतरण विरोधी कानून बनाकर उत्तराखंड ने साहसिक कदम उठाया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जनसांख्यिकी बदलाव रोकने के उपाय, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), अवैध धर्मांतरण पर रोक और दंगा नियंत्रण को लेकर उत्तराखंड सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को 'साहसिक' करार देते हुए उनकी प्रशंसा की और सुझाव दिया कि अन्य राज्यों को भी उनका अनुकरण करना चाहिए।

मोदी ने उत्तराखंड के गठन की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की सरकार ने जिस गंभीरता से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू किया, वह अन्य राज्यों के लिए एक मिसाल है। राज्य सरकार ने धर्मांतरण विरोधी कानून और दंगा नियंत्रण कानून जैसे राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर साहसिक नीतियां अपनाई हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''भाजपा सरकार (उत्तराखंड में) भूमि हड़पने और जनसांख्यिकीय परिवर्तन जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी ठोस कार्रवाई कर रही है।''

देहरादून में वन अनुसंधान संस्थान के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में मोदी ने रिमोट के जरिये 8260.72 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए राज्य सरकार की सराहना की और कहा कि उत्तराखंड अगले कुछ वर्षों में खुद को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा, ''उत्तराखंड की विकास यात्रा को अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ा है, लेकिन भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार ने हर बार उन पर विजय प्राप्त की है और यह सुनिश्चित किया है कि विकास की गति न थमे।''

प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कि उत्तराखंड आने वाले वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र इसके भविष्य की यात्रा के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' वाली भाजपा सरकार उत्तराखंड की क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए काम कर रही है।

मोदी ने कहा, ''आप सभी जानते हैं कि उत्तराखंड से मेरा कितना गहरा लगाव है। जब भी मैं आध्यात्मिक यात्राओं पर यहां आया, पहाड़ों में रहने वाले लोगों के संघर्ष और कड़ी मेहनत ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। इसने मुझे उत्तराखंड की अपार संभावनाओं से परिचित कराया।'' उन्होंने कहा,''बाबा केदार के दर्शन के बाद मैंने कहा था कि यह दशक उत्तराखंड का है। यह कोई सामान्य बात नहीं थी, मुझे आप पर पूरा विश्वास था।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का असली सार इसकी आध्यात्मिक शक्ति में निहित है। उन्होंने कहा, ''यदि उत्तराखंड दृढ़ निश्चय कर ले तो अगले कुछ वर्षों में वह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है।''

धर्म के आधार पर देश को बांटने की कोशिश कर रही है कांग्रेस : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

औरंगाबाद/सासाराम (बिहार)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के कांग्रेस मतलब मुसलमान संबंधी बयान पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी देश को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के प्रचार के आखिरी दिन औरंगाबाद और सासाराम में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) धर्म, जाति या संप्रदाय के आधार पर लोगों को नहीं बांटता, बल्कि मानवता की राजनीति में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, क्या आपने सुना है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने क्या कहा? उन्होंने कहा, कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान मतलब कांग्रेस। इस बयान का क्या अर्थ है? यह देश को बांटने का प्रयास है। क्या यही कांग्रेस की राजनीति है? यही उसकी संस्कृति है।''

सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अपनी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए राजग को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस और राजद समाज को जाति, धर्म और समुदाय के नाम पर विभाजित करना चाहते हैं। यह चुनाव सुशासन और 'जंगलराज' के बीच की लड़ाई है। वही लोग जो बिहार को जातीय संघर्ष और नरसंहारों के दौर में झोंक चुके थे, अब वोट मांग रहे हैं। जनता को ऐसे तत्वों से सावधान रहना चाहिए।

आतंकी हमले की साजिश रच रहे तीन लोगों को गुजरात एटीएस ने पकड़ा

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने एक डॉक्टर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर हथियारों और रसायनों के साथ एक बड़ा आतंकवादी हमले करने की साजिश रचने रहे थे। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। गुजरात एटीएस के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) सुनील जोशी ने बताया कि आरोपियों में तेलंगाना के एक और उत्तर प्रदेश के दो नागरिक हैं और वे हथियारों का आदान-प्रदान करने के लिए गुजरात में थे और उन्होंने एक शक्तिशाली जहर 'रिसिन' से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि उनका आका ड्रोन के जरिये हथियारों की खेप पाकिस्तान से भेजता है। जोशी ने संवाददाताओं को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस की एक टीम ने सात नवंबर को गांधीनगर के अडालज के निकट तेलंगाना के हैदराबाद निवासी डॉ. अहमद मोहिउद्दीन सैयद को गिरफ्तार किया, जिसके पास दो ग्लॉक पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल, 30 कारतूस और अरंडी का चार लीटर तेल बरमाद किया गया।

केरल की पर्यटक बसों ने अपनी सेवाएं स्थगित कर दीं कर्नाटक, तमिलनाडु के लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। 'लक्ज़री बस ऑनर्स एसोसिएशन' ने रविवार को घोषणा की कि वे केरल से कर्नाटक और तमिलनाडु के लिए सभी अंतरराज्यीय सेवाएं निलंबित कर देंगे। लक्जरी बस ऑनर्स एसोसिएशन, केरल राज्य समिति ने एक बयान में कहा कि केरल से तमिलनाडु और कर्नाटक के लिए अंतरराज्यीय पर्यटक बस सेवाएं सोमवार शाम छह बजे से निलंबित कर दी जाएंगी। एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष एजे रिजास ने कहा कि यह निर्णय पड़ोसी राज्यों द्वारा भारी जुर्माना लगाने, राज्य स्तर पर गैरकानूनी कर लगाने और केरल के संचालकों की अखिल भारतीय पर्यटक परमिट (एआईटीपी) बसों को जब्त करने के बाद लिया गया है।

महासचिव मनीष शशिधरन ने कहा कि केंद्र सरकार के मोटर वाहन अधिनियम के तहत जारी वैध एआईटीपी होने के बावजूद, केरल के पर्यटक वाहनों को तमिलनाडु और कर्नाटक में रोका जा रहा है, जुर्माना लगाया जा रहा है और वाहनों को कब्जे में लिया जा रहा है। एसोसिएशन ने कहा, एक साल से भी ज़्यादा समय से, तमिलनाडु के अधिकारी केरल में पंजीकृत वाहनों से मनमाने ढंग से कर वसूल रहे हैं, जिससे ऑपरेटरों और यात्रियों को बार-बार परेशानी हो रही है। इस दौरान, केरल सरकार ने बहुत ही सहानुभूतिपूर्ण और सहयोगी रुख अपनाया है और सहयोगात्मक समाधान की उम्मीद में जवाबी कार्रवाई से परहेज किया है। उन्होंने कहा कि कई लोग अब वित्तीय नुकसान और वाहन जब्त होने के डर के कारण अंतरराज्यीय सेवाएं संचालित करने से डर रहे हैं।

एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि यह सेवा निलंबन स्वैच्छिक विरोध नहीं है, बल्कि वाहनों, चालकों और यात्रियों की सुरक्षा के लिए उठाया गया एक मजबूरी भरा कदम है। एसोसिएशन ने केरल के परिवहन मंत्री और परिवहन आयुक्त से अनुरोध किया है कि वे तमिलनाडु और कर्नाटक सरकारों तथा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ तत्काल हस्तक्षेप करें, ताकि इन गैर-कानूनी प्रथाओं को समाप्त किया जा सके और सभी दक्षिणी राज्यों में एआईटीपी ढांचे का एक समान कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

देश को बांटने की कोशिश कर रहे भाजपा-आरएसएस : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगंज/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि देश को बांटने का प्रयास कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा और देश को जोड़ने का संकल्प लिए हुए 'इंडिया' गठबंधन की विचारधारा के बीच इस समय सीधी लड़ाई है।

बिहार के किशनगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हम नफरत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी जी के खून में नफरत है, लेकिन मेरे खून में देश को एकजुट करने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस समाज में डर व घृणा का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, वे चाहते हैं कि लोग एक-दूसरे से डरें, नफरत करें, ताकि वे सत्ता में बने रहें।

गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा वह बिहार आकर कहते हैं कि यहां उद्योग लगाने के लिए जमीन नहीं है। लेकिन जब अदाणी की बात आती है, तो उन्हें जमीन दी जाती है। बिहार में एक भी फूड प्रोसेसिंग यूनिट नहीं है, जबकि यहां के किसानों के पास अपार संभावनाएं हैं।

कांग्रेस नेता ने बिहार की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य कभी ज्ञान और शिक्षा का केंद्र था। उन्होंने कहा, नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान था, जहां विदेश से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। आज उसी बिहार को बेरोजगारी, गरीबी और पलायन के लिए जाना जाता है, जो अत्यंत दुखद है।

'चिकन्स नेक कॉरिडोर' के निकट वायुसेना का पराक्रम दुश्मनों की नींद उड़ा देगा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटी में पूर्वोत्तर में भारतीय वायुसेना के पहले पूर्ण पैमाने के 'एयर शो' का अवलोकन किया और कहा कि 'चिकन्स नेक कॉरिडोर' के निकट शक्ति, कौशल और भावना का यह प्रदर्शन दुश्मनों की ''रातों की नींद हराम'' कर देगा।

'चिकन नेक कॉरिडोर' भारत का वह संकरा भूभाग है, जो पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्से से जोड़ता है।

भारतीय वायुसेना द्वारा यहां आयोजित कार्यक्रम में राफेल, सुखोई-30, मिग-29, मिराज, जगुआर, आईएल-78 रिफ्यूलर, सी-17 ग्लोबमास्टर, एंटोनोव एएन-32, सी-130 हरक्यूलिस जैसे विमानों और अपाचे, एमआई-17 तथा उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर-एमके1 जैसे हेलीकॉप्टरों ने हवाई प्रदर्शन किया।

पूर्वी वायु कमान ने लासित घाट के निकट ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर डेढ़ घंटे का 'फ्लाइंग डिस्प्ले 2025' एयर शो आयोजित किया, जिसमें 25 से अधिक प्रकार के करतबों में 75 से अधिक लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर शामिल थे।

इस कार्यक्रम में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के अलावा वायु सेना प्रमुख एयर मार्शल ए पी सिंह, पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल सूरत सिंह और अन्य वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी भी शामिल हुए।

न्याय तक पहुंच की धारणा एक अधिकार : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा। भारत के भावी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि ''न्याय तक पहुंच'' की धारणा एक अमूर्त आदर्श नहीं है, बल्कि एक अधिकार है, जिसे संस्थागत ताकत, पेशेवर क्षमता और करुणाभाव के जरिये लगातार पोषित किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति कांत ने ''कानूनी सहायता वितरण तंत्र को मजबूत बनाने'' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की नई पहल कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह व्यक्तिगत और प्रायः खंडित प्रतिनिधित्व से रक्षा की संरचित और जवाबदेह प्रणाली की ओर बदलाव का प्रतीक है।

न्यायमूर्ति कांत ने कहा, ''इस सम्मेलन के दौरान, जो बात सबसे स्पष्ट रूप से उभरकर आई है, वह यह है कि 'न्याय तक पहुंच' की धारणा एक अमूर्त आदर्श नहीं है, बल्कि एक ऐसा अधिकार है, जिसे संस्थागत शक्ति, व्यावसायिक क्षमता और सहानुभूतिपूर्ण सहभागिता के जरिये लगातार पोषित किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''इस समाहांत आयोजित प्रत्येक विचार-विमर्श ने इस बड़े मिशन के एक पहलू को उजागर किया है।

संथारा पूर्वक देवलोक गमन / गुणानुवाद सभा

जन्म 10.6.1956

संथारा पूर्वक देवलोक गमन 9.11.2025

श्रीमान विजयराजजी बाफना

सुपुत्र : स्व. श्रीमती फुटरीबाई - स्व. श्री मोहनलालजी बाफना
कंवरसा : श्रीमती पिरताबाई - स्व. श्री मदनलालजी गोटावत

देव गुरु धर्म की असीम कृपा से हमारे बाफना परिवार के धर्मनिष्ठ सुश्रावक श्रीमान विजयराजजी बाफना ने श्रमण संघीय उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी म.सा. के मुखारविंद से शुक्रवार दि. 7.11.2025 को मध्याह्न लगभग 2 बजे संथारा के प्रत्याख्यान ग्रहण किये एवं रविवार दि. 9.11.2025 प्रातः 4 बजे संथारा सींझ गया। दिव्य आत्मा शीघ्र शाश्वत सुखों को प्राप्त करें।

गुणानुवाद सभा : सोमवार दि. 10.11.2025 प्रातः 11 बजे
पावन सानिध्य : उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी म.सा., मधुर वक्ता श्री शालीभद्रमुनिजी म.सा.
श्री गणेशबाग जैन स्थानक, भगवान महावीर रोड, शिवाजीनगर, बेंगलूरु

परिवारजन : धर्मसहायिका : इंदिरादेवी विजयराजजी बाफना
विमलराज, तगतराज, ज्ञानचंद, पदमराज, प्रकाशचंद, गौतमचंद, अशोककुमार, निर्मलकुमार, संजयकुमार, मनोजकुमार, अजयकुमार, सुजयकुमार, विकासकुमार, श्रेयांस, प्रगुण, प्रथम, जीत एवं समस्त बाफना परिवार (मरुधर में मोहरा कलां) बेंगलूरु

निवास : 'Vijay Sadan', No 11, 6th Cross, 5th Main, Chamrajpet, Near Amar Nursing Home, Bengaluru -18 , M : 94482 90091, 98842 69091

* BAFNA ELECTRIC Co., Chickpet, Bengaluru
* MOHRA JEWELS * MILESTONE PRECIOUS CREATIONS LLP
* MANOJ TRADING CORPORATION * POOJA ENTERPRISES

ससुराल पक्ष : जवाहरलालजी, मोहनलालजी, सोहनलालजी, गौतमचंदजी, शांतिलालजी, अरुणकुमारजी एवं समस्त गोटावत परिवार (मरुधर में सोजत सिटी) बेंगलूरु

गुणानुवाद सभा के साथ ही सारे कार्यक्रम संपन्न

चीन की विमानन कंपनी चाइना ईस्टर्न ने शंघाई-दिल्ली सेवा फिर शुरू की, 95 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी

बीजिंग/नई दिल्ली/भाषा। चीन की विमानन कंपनी चाइना ईस्टर्न ने रविवार को शंघाई-दिल्ली सेवा शुरू की, जिसमें 95 प्रतिशत सीटें भरी हुई थीं। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 248 यात्रियों को लेकर उड़ान संख्या एमयू563 शंघाई पुडोंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना हुई। भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो 10 नवंबर से अपनी दैनिक दिल्ली-गुआंगझोउ सेवा शुरू करेगी। शंघाई-दिल्ली मार्ग दोनों देशों के प्रमुख आर्थिक केंद्रों को जोड़ने वाला माना जाता है और इससे व्यापार, अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। चाइना ईस्टर्न की यह सेवा सप्ताह में तीन दिन बुधवार, शनिवार और रविवार चलेगी। विमानन कंपनी ने कहा कि यदि मांग हुई तो उड़ानों की आवृत्ति बढ़ाई जा सकती है।

बीएसएफ महानिदेशक ने जम्मू मैराथन का नेतृत्व किया, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली ऐसी पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने रविवार को हरी झंडी दिखाकर जम्मू मैराथन की शुरुआत की। यह आयोजन 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बल द्वारा किया जाने वाला पहला बड़ा सार्वजनिक आयोजन बन गया है। सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बीएसएफ जम्मू फ्रंटियर द्वारा इस मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में शारीरिक फिटनेस और नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

बीएसएफ के अनुसार, देश भर से 6,000 से अधिक लोगों ने इस मैराथन के लिए अलग-अलग श्रेणियों की दौड़ में पंजीकरण कराया जिसमें 42 किलोमीटर, 21 किमी और 10 किमी की दौड़ के अलावा पांच किमी की दौड़ भी शामिल है। कुछ विदेशियों ने भी मैराथन में हिस्सा लिया है।

बीएसएफ के महानिदेशक ने संवाददाताओं को बताया, यह पहली बार है कि बीएसएफ शारीरिक फिटनेस और नशामुक्त भारत को बढ़ावा देने के लिए जम्मू में मैराथन का आयोजन कर रहा है। जब हम फिटनेस के प्रति जागरूक होते हैं तो स्वाभाविक रूप से इसका हमारे राष्ट्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रधानमंत्री की 'फिट इंडिया' (स्वस्थ भारत) पहल तभी पूरी होगी जब हर नागरिक एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाएगा।

थरूर का आलोचक पर पलटवार

आडवाणी की लंबी सेवा को एक घटना तक सीमित करना अनुचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देने के बाद आलोचना का सामना करने वाले कांग्रेस नेता शशि थरूर ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता के लंबे सार्वजनिक जीवन और सेवा को एक घटना तक सीमित करना अनुचित है।

थरूर ने यह भी कहा कि जब जवाहरलाल नेहरू के पूरे राजनीतिक जीवन का आकलन चीन संबंधी झटके से नहीं किया जा सकता और इंदिरा गांधी का आकलन केवल आपातकाल से नहीं किया जा सकता, तो उनका मानना है कि ''हमें आडवाणी जी के प्रति भी यही शिष्टाचार दिखाना चाहिए।'' इसकी शुरुआत शनिवार को थरूर द्वारा आडवाणी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दिए जाने के साथ हुई। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आदरणीय श्री लालकृष्ण आडवाणी को उनके 98वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। जनसेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, उनकी विनम्रता, शालीनता व आधुनिक भारत की दिशा तय करने में उनकी भूमिका अमिट है।'' तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने आडवाणी को एक सच्चे राजनेता के रूप में वर्णित किया, जिनका सार्वजनिक जीवन अनुकरणीय रहा है।

2026 के अंत तक आईपीओ लाने की तैयारी शुरू कर सकती है रैपिडो: सांका

नई दिल्ली/भाषा। टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी रैपिडो को उम्मीद है कि वह सार्वजनिक सूचीबद्धता के लिए अगले साल के अंत तक काम शुरू कर सकती है। कंपनी के सह-संस्थापक अरविंद सांका ने पीटीआई-भाषा को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कंपनी अगले कुछ वर्षों तक सालाना 100 प्रतिशत की वृद्धि बनाए रखना चाहती है। सांका ने कहा कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने से पहले रैपिडो अपने सबसे करीब के प्रतिद्वंद्वी की तुलना में बड़ी कंपनी बनना चाहती है। उन्होंने कहा, ''हम शेयर बाजारों के बारे में सोचने से पहले और आगे बढ़ना चाहते हैं। फिलहाल, हमारा विचार यह है कि हम आगे कैसे बढ़ें... पिछले दो सालों में हमारी वृद्धि दर 100 प्रतिशत रही है। हम कम से कम कुछ और सालों तक इसी वृद्धि दर को जारी रखना चाहते हैं और फिर बाजार के बारे में सोचेंगे।'' यह पूछने पर कि क्या रैपिडो दो साल बाद आईपीओ लाने की तैयारी शुरू करने पर विचार कर रही है, सांका ने कहा कि कंपनी के प्रदर्शन के आधार पर हर तिमाही में समयसीमा बदलती रहती है, लेकिन कंपनी इसके लिए तैयार रहना चाहती है। उन्होंने कहा, ''हम तैयारी के लिहाज से, व्यावसायिक लिहाज से और अपेक्षित सभी पहलुओं से इस दिशा में कदम उठा रहे हैं।''

कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी छापेमारी के दौरान नौ लोगों को हिरासत में लिया गया

श्रीनगर/भाषा। 'काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर' ने रविवार को आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई के तहत घाटी में छापेमारी कर एक महिला समेत नौ लोगों को हिरासत में ले लिया। एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवाद का ऑनलाइन महिमामंडन किए जाने और युवाओं को कट्टरपंथी बनाए जाने के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) की टीम ने श्रीनगर, कुलगाम, बारामूला, शोपियां और पुलवामा में 10 विशिष्ट स्थानों पर छापेमारी की। प्रवक्ता ने बताया, ऑनलाइन आतंकवादी नेटवर्क पर व्यापक कार्रवाई करते हुए सीआईके ने आज कश्मीर घाटी में समन्वित छापेमारी की। उन्होंने कहा, स्थानीय पुलिस के सहयोग से चलाया गया यह अभियान उन व्यक्तियों पर केंद्रित था, जिन पर हिंसा भड़काने, राष्ट्रविरोधी दुष्प्रचार करने और सांप्रदायिक घृणा को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया मंच का दुरुपयोग करने का आरोप है।

प्रवक्ता के मुताबिक, एक महिला समेत नौ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा, फॉरेंसिक जांच के लिए सिम कार्ड, मोबाइल फोन, टैबलेट और कई तरह के डिजिटल उपकरणों सहित कई सबूत जब्त किए गए हैं। प्रवक्ता के मुताबिक, जब्त सामग्री से महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे आगे की जांच और अतिरिक्त प्रवर्तन कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा, यह कार्रवाई डिजिटल खतरों को उनके स्रोत के स्तर पर ही समाप्त करके सार्वजनिक व्यवस्था और क्षेत्र की आंतरिक सुरक्षा की रक्षा करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

बलात्कार के आरोपी 'आप' विधायक पठानमाजरा ऑस्ट्रेलिया भागे

पटियाला/भाषा। पंजाब में बलात्कार के मामले में दो सितंबर से फरार आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा का एक वीडियो साक्षात्कार सामने आने के बाद समझा जा रहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया भाग गए हैं। इस घटना की वजह से पुलिस को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है क्योंकि सनौर के विधायक सिंह के खिलाफ संभावित ठिकानों पर छापे मारने के बावजूद वह पुलिस की पकड़ में नहीं आए। पटियाला पुलिस ने आप विधायक के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया है।

पठानमाजरा शुक्रवार को एक ऑस्ट्रेलिया स्थित पंजाबी वेब चैनल के साथ वीडियो साक्षात्कार में दिखाई दिए, जिसमें उन्होंने दावा किया कि वह जमानत हासिल करने के बाद ही घर लौटेंगे। उन्होंने सभी आरोपों का खंडन करते हुए मामले को राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने न्यायपालिका पर पूरा भरोसा जताते हुए आरोप लगाया, पंजाब में महत्वपूर्ण मामलों पर मंत्रियों और विधायकों से सलाह नहीं ली जाती। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया जा रहा है। दिल्ली में हारने के बाद, उन नेताओं ने अब पंजाब पर कब्जा कर लिया है और वे इसे उसी तरह बर्बाद कर रहे हैं।

पटियाला की एक अदालत ने बलात्कार के मामले में पेश न होने पर पठानमाजरा के खिलाफ भगौड़ा घोषित करने की कार्यवाही शुरू कर दी है।

पुलिस ने एक सितंबर को पठानमाजरा के खिलाफ जीरकपुर की एक महिला की शिकायत पर बलात्कार, धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी के आरोपों में मामला दर्ज किया था। महिला ने आरोप लगाया था कि विधायक ने खुद को तलाकशुदा बताकर उससे संबंध बनाए और 2021 में शादी की, जबकि वह पहले से शादीशुदा था। महिला ने आरोप लगाया कि विधायक ने लगातार यौन शोषण किया, उसे धमकियां दीं और अश्लील संदेश भेजे।

आंध्र प्रदेश में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज योजना शुरू की जाएगी : नायडू

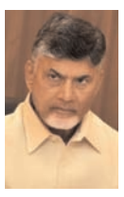

गुंटूर/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है, जिसके तहत राज्य के सभी लोगों को ढाई-ढाई लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा।

गुंटूर जिले के पेडकाकानी में नये शंकर नेत्र अस्पताल भवन के उद्घाटन के मौके पर नायडू ने कहा कि गरीबों को 25 लाख रुपए तक की चिकित्सा सहायता प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। नायडू ने कहा, ''राज्य सरकार आंध्र प्रदेश के सभी लोगों को ढाई-ढाई लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने के लिए एक सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है।''

तेलंगाना में कांग्रेस 2034 तक सत्ता में रहेगी : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को भरोसा जताया कि कांग्रेस राज्य में 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी। रेड्डी ने यहां 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की आलोचना की। उन्होंने बीआरएस पर आरोप लगाया कि वह अपने दस साल के शासन के दौरान लगभग दो लाख करोड़ रुपए का औसत वार्षिक राजस्व अर्जित करने के बावजूद हैदराबाद में कुछ फ्लाईओवर सहित कई परियोजनाओं को पूरा करने में विफल रही।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना में निवेश करने के इच्छुक उद्योगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इशारे पर गुजरात की ओर मोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का ''केंद्र से लड़ने का कोई इरादा नहीं है।''

रेड्डी ने कहा, ''1994 से 2004 तक तेदेपा (तेलुगु देशम पार्टी) ने 10 साल तक शासन किया और 2004 से 2014 तक कांग्रेस (तत्कालीन) एकीकृत आंध्र प्रदेश में सत्ता में थी। 2014 से बीआरएस ने लगभग 10 साल तक तेलंगाना पर शासन किया और 2024 से 2034 तक फिर से कांग्रेस सत्ता में रहेगी। यह लोगों की ओर से दिया गया दृढ़ जनादेश है।'' मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि कांग्रेस जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में जीत दर्ज करेगी। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जमानत जब्त हो जाएगी, जबकि बीआरएस को हार का सामना करना पड़ेगा।

अपनी सरकार की ओर से क्रियान्वित की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए रेड्डी ने कहा कि उनके प्रशासन ने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई किसी भी योजना को बंद नहीं किया है तथा कुछ का विस्तार किया गया है।

जलवायु संकट के दौरान सामाजिक भेद्यता महिलाओं पर असमान रूप से प्रभाव डालती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जलवायु संकट के दौरान सामाजिक भेद्यता अवैतनिक घरेलू कार्यों और अनिश्चित संसाधनों पर निर्भरता के कारण महिलाओं को असमान रूप से प्रभावित कर सकती है।

गोवा प्रबंधन संस्थान की ओर से किए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने बताया कि गोवा प्रबंधन संस्थान (जीआईएम) के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य इस बात पर प्रकाश डालना है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए स्थानीय नारीवादी दृष्टिकोण का किस प्रकार लाभ उठाया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन का विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। इसमें बताया कि किस प्रकार ये दृष्टिकोण पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देते हैं, एजेंसी का निर्माण करते हैं तथा सामुदायिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करते हैं। यह अध्ययन जर्मन इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (आईडीओएस) द्वारा 'स्थानीय नारीवादी दृष्टिकोण परिवर्तनकारी लीवर के रूप में: भारत में महिला स्वास्थ्य और जलवायु कार्रवाई' नामक शीर्षक से चर्चा पत्र के रूप में प्रकाशित किया है। यह अध्ययन समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए लिंग, स्वास्थ्य व जलवायु के बीच अंतर्संबंधों को संबोधित करने के लिए एक अंतर्विषयक दृष्टिकोण अपनाने की वकालत करता है। जीआईएम की एसोसिएट प्रोफेसर श्रीरूपा सेनगुप्ता के अनुसार, इस अध्ययन की विशिष्टता हमारे देश के स्थानीय नारीवाद के विविध पहलुओं पर इसके ध्यान में निहित है।

भारत दुनिया के सबसे बड़े स्कॉच बाजार के रूप में उभरेगा : संगठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत अगले कुछ साल में प्रतिस्पर्धी तीव्रता, प्रीमियमीकरण और आर्थिक वृद्धि के बल पर मूल्य और मात्रा के लिहाज से सबसे बड़ा वैश्विक स्कॉच व्हिस्की बाजार बनने के लिए तैयार है। स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्क केंट सीएमजी ने यह बात कही है।

मार्क केंट ने सिंगल माल्ट व्हिस्की बाजार में भारत के उभरने की सराहना करते हुए कहा कि स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन न केवल ब्रिटेन के बाजार में निर्यात के लिए, बल्कि अन्य वैश्विक बाजारों में भी साथ मिलकर संभावनाएं तलाश रहा है।

भारतीय सिंगल माल्ट श्रेणी के उभरने का उल्लेख करते हुए, जिनमें से कुछ ने हाल ही में कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं, उन्होंने कहा कि वह भारतीय माल्ट व्हिस्की एसोसिएशन के साथ बात करने जा रहे हैं, क्योंकि वे विनिर्माण और साथ मिलकर काम करने में गुणवत्ता के महत्व पर समान विचार रखते हैं।

यह भारतीय और स्कॉटिश दोनों उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। भारतीय कंपनियों के लिए ब्रिटेन को भारतीय सिंगल माल्ट के निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक बाजारों के लिए साझेदारी बनाने का अवसर है।

उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया कि, यह वास्तव में दोनों पक्षों के लिए एक अवसर का क्षण है। मार्क केंट ने कहा कि भारत पहले से ही मात्रा के लिहाज से स्कॉच का सबसे बड़ा बाजार है, जहां से इसका निर्यात 180 बाजारों में होता है।

हालांकि, मूल्य के मामले में यह शीर्ष पांच में शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि वह भारत की संभावनाओं और यहां प्रीमियमीकरण के चलन को लेकर आशान्वित हैं।

भारत का 'डीपटेक' क्षेत्र 2030 तक 30 अरब डॉलर का होगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत के 'डीपटेक' क्षेत्र में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है, और इसके बाजार अवसर 2030 तक 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है।

रिपोर्ट कहती है कि रक्षा नवोन्मेषण और वैश्विक रोबोटिक्स में उछाल के कारण डीपटेक क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने रक्षा डीपटेक पर खर्च में उल्लेखनीय बदलाव देखा है। पिछले एक दशक में राष्ट्रीय रक्षा बजट दोगुना होकर 80 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। यह विस्तार इसी अवधि के दौरान अमेरिका और चीन जैसे शीर्ष वैश्विक खर्च करने वाले देशों द्वारा दर्ज की गई वृद्धि दर से अधिक है। रिपोर्ट में कहा, ''भारत के डीपटेक अवसर पिछले पांच साल में 2.5 गुना बढ़े हैं और यह 2030 तक 30 अरब अमेरिकी डॉलर का विशाल बाजार बनने की ओर अग्रसर हैं।''

प्रधानमंत्री ने टैगोर का अपमान किया: कांग्रेस ने 'वंदे मातरम्' विवाद पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने वंदे मातरम् विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री ने इस गीत पर बयान जारी करने वाली 1937 की कांग्रेस कार्यसमिति और रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान किया है।

कांग्रेस ने कहा कि मोदी को अपनी राजनीतिक लड़ाई दैनिक सरोकारों से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर लड़नी चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सीडब्ल्यूसी एवं टैगोर का अपमान किया है, जो चौंकाने वाला तो है लेकिन अप्रत्याशित नहीं है ''क्योंकि आरएसएस ने महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं निभाई थी।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए शुक्रवार को कहा था कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीज बोये और इस प्रकार की ''विभाजनकारी मानसिकता'' देश के लिए अब भी चुनौती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत करते हुए यह बात कही। मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''कांग्रेस कार्य समिति की बैठक 26 अक्टूबर-एक नवंबर 1937 को कोलकाता में हुई थी। उपस्थित लोगों में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, राजेंद्र प्रसाद, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरोजिनी नायडू, जे.बी. कृपलानी, भूलाभाई देसाई, जमनालाल बजाज, नरेंद्र देव और अन्य शामिल थे।'' उन्होंने कहा, ''महात्मा गांधी के संग्रहित कार्य खंड 66 के पृष्ठ 46 से पता चलता है कि 28 अक्टूबर, 1937 को कांग्रेस कार्यसमिति ने वंदे मातरम् पर एक बयान जारी किया था और यह बयान गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर एवं उनकी सलाह से अत्यधिक प्रभावित था।''

रमेश ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने कांग्रेस कार्यसमिति और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान किया है। उनका ऐसा करना चौंकाने वाला है लेकिन अप्रत्याशित नहीं है क्योंकि आरएसएस ने महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं निभाई थी।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अपनी राजनीतिक लड़ाई उन मौजूदा मुद्दों पर लड़नी चाहिए जो अपने वर्तमान और भविष्य को लेकर चिंतित करोड़ों भारतीयों के लिए रोजमर्रा की चिंता का विषय हैं। रमेश ने कहा, उनकी आर्थिक नीतियों ने असमानताओं को और बढ़ा दिया है। बेरोजगारी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। निवेश की गति धीमी पड़ गई है। उनकी विदेश नीति ध्वस्त हो गई है।

टीवीएस मोटर कंपनी की और यूरोपीय बाजारों में उतरने की योजना : चेयरमैन सुदर्शन वेणु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिलान (इटली)/भाषा। भारतीय वाहन विनिर्माता टीवीएस मोटर कंपनी अपने वैश्विक विस्तार के तहत स्पेन और पुर्तगाल सहित यूरोप के और बाजारों में उतरने की योजना बना रही है। यह जानकारी कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने दी।

कंपनी ने वैश्विक दोपहिया प्रदर्शनी ईआईसीएमए-2025 में आईसीई और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन में छह नए उत्पादों का अनावरण करते हुए अपनी शुरुआत की, का मानना है कि बढ़ते पोर्टफोलियो के साथ अब 'औद्योगिक बाजारों' का दोहन करने का समय आ गया है। वेणु ने साक्षात्कार में यूरोप पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में कहा, ''मुझे लगता है कि यह औद्योगिक बाजारों की ओर टीवीएस की प्रगति की शुरुआत है। आमतौर पर, हम उभरते बाजारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।'' ईआईसीएमए-2025 में कंपनी ने

टीवीएस टैंगेंट आरआर कॉन्सेप्ट, एक सुपरस्पोर्ट बाइक; इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कॉन्सेप्ट टीवीएस ईएफएक्स थ्री ओ; टीवीएस एम1-एस, कंपनी का पहला इलेक्ट्रिक मैक्सी स्कूटर; टीवीएस अपाचे आरटीएक्स 300, एक नई एडवेंचर टूरर बाइक; एक इलेक्ट्रिक बाइक टीवीएस एक्स और टीवीएस आरटीआर हाइपरस्टंट कॉन्सेप्ट, एक शहरी स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल प्रदर्शित की। टीवीएस अपाचे आरटीएक्स 30 यूरोप की सड़कों पर 2026 की पहली तिमाही में दौड़ेगी। वेणु ने कहा, ''मुझे लगता है कि टीवीएस के बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ, औद्योगिक देशों में भी अवसर हैं, जहां हम निश्चित रूप से इन बाजारों की जरूरतों को पूरा करने वाले कुछ रोमांचक उत्पादों के साथ ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करेंगे।''

यूरोपीय बाज़ार में विस्तार की रूपरेखा साझा करते हुए, वेणु ने कहा, ''हम इटली से शुरुआत कर रहे हैं, और हम स्पेन और पुर्तगाल जैसे कुछ अन्य बाज़ारों में भी विस्तार करेंगे।''

आरएसएस को व्यक्तियों के निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन पर बिना पंजीकरण के काम करने का आरोप लगाने वाले कांग्रेस नेताओं पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि उनके संगठन को व्यक्तियों के निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त है। भागवत ने आरएसएस की ओर से आयोजित एक आंतरिक प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, ''आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी, तो क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम ब्रिटिश सरकार के पास पंजीकरण कराते?'' उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भारत सरकार ने पंजीकरण अनिवार्य नहीं बनाया।

भागवत ने स्पष्ट किया, ''हमें व्यक्तियों के निकाय के रूप में वर्गीकृत किया गया है और हम मान्यता प्राप्त संगठन हैं।'' उन्होंने कहा कि आयकर विभाग और अदालतों ने आरएसएस को व्यक्तियों का एक निकाय माना है और संगठन को आयकर से छूट दी गई है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''हम पर तीन बार प्रतिबंध लगाया गया। ऐसे में सरकार ने हमें मान्यता दी है। अगर हमारा अस्तित्व नहीं था, तो उन्होंने किस पर प्रतिबंध लगाया?''

भागवत ने कहा कि कई चीजें पंजीकृत नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है।'' आरएसएस के केवल भगवा ध्वज का सम्मान करने और तिरंगे को मान्यता नहीं देने के मुद्दे पर भागवत ने कहा कि आरएसएस में भगवा को गुरु माना जाता है, लेकिन वह भारतीय तिरंगे का बहुत सम्मान करता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''हमने हमेशा अपने तिरंगे का सम्मान किया है और उसकी रक्षा की है।'' भागवत की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल में कहा था कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष के बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने आरएसएस की पंजीकरण संख्या और उसके वित्तपोषण के स्रोत पर भी सवाल उठाए। भागवत ने स्पष्ट किया कि

आरएसएस किसी राजनीतिक पार्टी का समर्थन नहीं करता।

उन्होंने कहा, हम वोट की राजनीति, वर्तमान राजनीति, चुनावी राजनीति आदि में हिस्सा नहीं लेते। संघ का काम समाज को एकजुट करना है और राजनीति स्वभाव से विभाजनकारी है, इसलिए हम राजनीति से दूर रहते हैं। आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि संघ नीतियों का समर्थन करता है, न कि किसी व्यक्ति या पार्टी का। उन्होंने कहा, हम नीतियों का समर्थन करते हैं। हम सही नीति का समर्थन करने के लिए अपनी ताकत लगा देते हैं, न कि किसी व्यक्ति या पार्टी के समर्थन के लिए। राम मंदिर निर्माण आंदोलन का उदाहरण देते हुए, भागवत ने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने इस आंदोलन का समर्थन किया।

उन्होंने कहा, भाजपा भी (समर्थन करने के लिए) थी। अगर कांग्रेस या कोई अन्य पार्टी इसका समर्थन करती, तो हम उनका भी समर्थन करते।

भागवत ने कहा, ''हमें किसी एक पार्टी के प्रति खास लगाव नहीं है। संघ का कोई दल नहीं है। कोई दल हमारा नहीं है और सभी दल हमारे हैं, क्योंकि वे भारतीय हैं।'' भागवत ने कहा कि आरएसएस किसी को बाहर रखे बिना पूरे समाज को संगठित करना चाहता है और वह बिना कोई नारा दिए 'सबका साथ, सबका विकास' में विश्वास करता है। पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते पर, भागवत ने कहा कि संघ हमेशा पाकिस्तान के साथ शांति चाहता है। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तान है, जो हमारे साथ शांति नहीं चाहता, और जब तक पाकिस्तान को भारत को नुकसान पहुंचाने से संतोष मिलता रहेगा, वह ऐसा करता रहेगा। भागवत ने कहा, इसलिए पाकिस्तान के साथ शांति का रास्ता यह है कि हम अपनी तरफ से शांति का उल्लंघन न करें। लेकिन अगर पाकिस्तान शांति का उल्लंघन करता है, तो वह कभी भी सफल नहीं होगा।

भागवत ने 1971 के युद्ध का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि उस युद्ध के परिणामस्वरूप बांगलादेश का गठन हुआ था, और अगर पाकिस्तान अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करता, तो एक दिन वह एक कड़ा सबक सीखेगा। उन्होंने कहा, लड़ाई करने से बेहतर सहयोग करना है। मुझे नहीं लगता कि वे किसी और भाषा को समझते हैं। इसलिए हमें उसी भाषा में बोलना होगा, जो वे समझते हैं। हमें उन्हें उचित जवाब देना होगा और हर बार उन्हें हराना होगा, जिससे उन्हें हमेशा पछताना पड़ेगा। जातिवाद के बारे में भागवत ने कहा कि समाज में जातिवाद नहीं है, बल्कि जाति भ्रम है।

उन्होंने कहा, कोई जाति व्यवस्था नहीं है, लेकिन चुनावों और रियायतों के लिए जाति का भ्रम है। इसलिए जाति को समाप्त करने के लिए कोई प्रयास करने की आवश्यकता नहीं है। हमें जाति को भुलाने का प्रयास करना चाहिए, और यह बहुत आसान है। हम व्यक्तिगत रूप से जाति को भूल सकते हैं। 'लव जिहाद' के मुद्दे पर, आरएसएस प्रमुख ने लोगों से अपील की कि वे दूसरों के बारे में ज्यादा न सोचें कि वे क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके बजाय, उन्हें यह सोचना चाहिए कि उन्हें क्या करना चाहिए। भागवत ने लोगों से घर पर 'हिंदू संस्कार' अपनाने की अपील की, ताकि वे इस समस्या से प्रभावी तरीके से निपट सकें।

आरएसएस को व्यक्तियों के निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त है : भागवत ने आलोचकों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बिना पंजीकरण के काम करने का आरोप लगाने वाले कांग्रेस नेताओं पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि उनके संगठन को व्यक्तियों के निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त है। भागवत ने आरएसएस द्वारा आयोजित एक आंतरिक प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान एक सवाल के जवाब में पूछा, ''आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी, तो क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम ब्रिटिश सरकार के पास पंजीकरण कराते?'' उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भारत सरकार ने पंजीकरण अनिवार्य नहीं बनाया। भागवत ने स्पष्ट किया, हमें व्यक्तियों के निकाय के रूप में वर्गीकृत किया गया है और हम मान्यता प्राप्त संगठन हैं।

उनके अनुसार, आयकर विभाग और अदालतों ने आरएसएस को व्यक्तियों का एक निकाय माना है और संगठन को आयकर से छूट दी गई है। आरएसएस प्रमुख ने पूछा, हमें तीन बार प्रतिबंधित किया गया। इसलिए सरकार ने हमें मान्यता दी है। अगर हमारा अस्तित्व नहीं था, तो उन्होंने किस पर प्रतिबंध लगाया? भागवत ने कहा कि कई चीजें पंजीकृत नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है।'' आरएसएस द्वारा केवल भगवा ध्वज का सम्मान करने और भारतीय तिरंगे को मान्यता नहीं देने के मुद्दे पर भागवत ने कहा कि आरएसएस में भगवा को गुरु माना जाता है, लेकिन वह भारतीय तिरंगे का बहुत सम्मान करता है। उन्होंने कहा, ''हमने हमेशा अपने तिरंगे का सम्मान किया और उसकी रक्षा की है।'' भागवत की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल में कहा था कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने आरएसएस की पंजीकरण संख्या और उसके वित्तपोषण के स्रोत पर भी सवाल उठाए।

उपराष्ट्रपति ने श्रवणबेलगोला को आध्यात्मिकता, शांति और त्याग का प्रतीक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने श्रवणबेलगोला में जैन मुनि आचार्य श्री शांति सागर महाराज को रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि यह पवित्र भूमि ''आध्यात्मिकता, शांति और त्याग के प्रतीक'' के रूप में समय की कसौटी पर खरी उतरी है। आचार्य के स्मरणोत्सव में उपराष्ट्रपति ने कहा, ''जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पूरा कर्नाटक एक अच्छी जगह है। कर्नाटक ने हमेशा अपनी परंपरा, विरासत और संस्कृति की रक्षा की है। आप जहां भी जाते हैं, कन्नड़ लोग संस्कृति की रक्षा करते हैं। यह हमारी संस्कृति में एक महान योगदान है।''

उन्होंने कहा कि श्रवणबेलगोला सबसे प्रतिष्ठित जैन तीर्थ केंद्रों में से एक है जहां जैन धर्म के विचारों की सच्चाई की शाश्वत ज्योति लगातार प्रेरणा देती रहती है। राधाकृष्णन ने कहा, ''श्रवणबेलगोला की यह पवित्र भूमि आध्यात्मिकता, शांति और त्याग के प्रतीक के रूप में समय की कसौटी पर खरी उतरी है।''

उपराष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि भगवान बाहुबली की 57 फुट ऊंची अखंड मूर्ति मानव भक्ति और कलात्मक प्रतिभा का एक शानदार प्रमाण बनी हुई है। इतिहास को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने भगवान महावीर के शिष्य आचार्य भद्रबाहु के मार्गदर्शन में जैन धर्म के मार्ग को अपनाने के लिए अपना सिंहासन और सांसारिक सुख त्याग दिए थे। वे एक साथ मुक्ति और आध्यात्मिक शांति की तलाश में यहां (श्रवणबेलगोला) आए थे। यह यात्रा आज भी साधकों को प्रेरित करती रहती है।''

श्रवणबेलगोला मठ के वर्तमान महंत स्वस्ति श्री चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी की भूमिका की प्रशंसा करते हुए, राधाकृष्णन ने कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व भगवान बाहुबली के चार भव्य महामस्तकाभिषेक की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। राधाकृष्णन ने कहा कि महंत ने अस्पताल और शैक्षणिक संस्थान भी स्थापित किए हैं, जो सेवा और मानवता की सेवा के दर्शन को विस्तार देते हैं और उन्होंने भारतीय प्राचीन विरासत और इसके आधुनिक शैक्षणिक परिदृश्य को जोड़ने के लिए प्राकृत भाषा को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए। उन्होंने कहा, ''मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि केंद्र सरकार ने, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महान नेतृत्व में, पिछले साल प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया।''

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ''कन्नड़ भी एक महान शास्त्रीय भाषा है जिसे भी स्थापित किया गया है।'' राधाकृष्णन ने कहा कि तमिलनाडु और जैन धर्म के बीच गहरे और ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने कहा, ''एक समय था जब हर तीन में से दो तमिल लोग जैन धर्म का पालन करते थे।'' उपराष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ''संगम और उत्तर-संगम काल के दौरान तमिल साहित्य एवं संस्कृति में जैन धर्म का योगदान बहुत बड़ा और अपार है।'' राधाकृष्णन ने याद किया कि झारखंड के राज्यपाल के रूप में उन्होंने पवित्र जैन तीर्थ स्थल पारसनाथ का दौरा किया था और कई जैन समारोहों में भाग लिया था।

उन्होंने कहा, ''वह (शांति सागर महाराज) जैन दर्शन के मूल का प्रतिनिधित्व करते हैं – अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद – ऐसे सिद्धांत हैं जो सद्भाव की तलाश में दुनिया के लिए काफी प्रासंगिकता रखते हैं।'' अपना संबोधन समाप्त करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, ''जब मौर्य राजा यहां आए थे, तो यह दर्शाता है कि आपके जीवन में आपकी उपलब्धि जो भी हो, आपको आध्यात्मिकता की ओर लौटना होगा। स्वामीजी के महान योगदान ने श्रवणबेलगोला को जैन धर्म और दर्शन का केंद्र बना दिया है।''

हरियाणा के राज्यपाल ने चंडीगढ़ तमिल संगम की 55वीं वर्षगांठ पर सेवा भावना की प्रशंसा की

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष ने रविवार को सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था चंडीगढ़ तमिल संगम की 55वीं वर्षगांठ समारोह में सामाजिक कल्याण, शिक्षा और सांस्कृतिक सद्भाव में इसके स्थायी योगदान के लिए सराहना की। एक सभा को संबोधित करते हुए, राज्यपाल घोष ने इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त की और याद दिलाया कि कैसे तमिल समुदाय के सदस्य लगभग छह दशक पहले चंडीगढ़ पहुंचे थे, जब आजादी के बाद शहर आकार ले रहा था। उन्होंने कहा, 'सुंदर शहर' के निर्माण और रखरखाव में आपका योगदान अत्यंत सराहनीय है।

संगम की 55वीं वर्षगांठ को दान के उत्सव के रूप में मनाने की पहल की सराहना करते हुए, घोष ने विद्या धनम् पहल के माध्यम से वंचित बच्चों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों की शिक्षा का समर्थन करके राष्ट्र निर्माण के प्रति आपके समर्पण को देखकर प्रसन्नता होती है। पिछले कई वर्षों से संगम की निरंतर पहुंच पर प्रकाश डालते हुए घोष ने जरूरतमंद छात्रों को पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक, स्कूल बैग, स्टेशनरी और साइकिलें उपलब्ध कराने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने संगठन के भारती के गर्म वस्त्र साझा करने के उत्सव की भी प्रशंसा की, जो सर्दियों के दौरान जरूरतमंदों को ऊनी कपड़े प्रदान करता है, और इसे करुणा और दया का एक ज्वलंत उदाहरण बताया। राज्यपाल ने चंडीगढ़ के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने में तमिल परंपराओं और मूल्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी सराहना की। कलाकारों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, आज का यह समारोह, तमिल रीति-रिवाजों, वेशभूषा और परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए, एक समृद्ध और मनमोहक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है। एक पल के लिए तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं तमिलनाडु में ही हूं। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख लोगों में राज्यपाल के सचिव डी. के. बेहरा, आईएएस अधिकारी जे. एम. बालामुरुगन और सी. जी. रजनीकांतन, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी माधवन और राज्यपाल की पत्नी मित्रा घोष शामिल थे।

आरएसएस के पंजीकरण के संबंध में मोहन भागवत की टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा: सिद्दरामय्या

दावणगेरे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत की संगठन के पंजीकरण की स्थिति पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, 'भागवत ने जो कुछ कहा है, हम उसका जवाब नहीं दे सकते।' बिना पंजीकरण के काम करने के लिए आरएसएस की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेताओं के खिलाफ परोक्ष टिप्पणी करते हुए मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि उनके संगठन को व्यक्तियों के एक समूह के रूप में मान्यता प्राप्त है। मुख्यमंत्री ने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कहा, 'आरएसएस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सार्वजनिक स्थानों पर अनुमति लेना अनिवार्य नहीं किया है। आदेश में कहा है कि किसी भी संगठन को संबंधित ज़िला कलेक्टर से अनुमति लेनी चाहिए। ऐसा उनका मानना है। हम आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर बात का जवाब नहीं

दे सकते।' सिद्दरामय्या ने कहा, 'परप्पना अग्रहारा में कैदियों को दी जा रही विलासितापूर्ण सुविधाओं का मामला हमारी सरकार के संज्ञान में आया है। संबंधित अधिकारी छुट्टी पर चले गए हैं। गृह मंत्री ने कल इस संबंध में बैठक बुलाई है। जिन लोगों ने यह गलत काम किया है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे कि ऐसी घटना दोबारा न हो।' सिद्दरामय्या ने कहा, 'तालुका और जिला पंचायत चुनाव का मामला अदालत में है। चुनाव तभी होंगे, जब अदालत ऐसा करने का निर्देश देगी।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'गन्ने के दाम पर फैसला चीनी मिल मालिकों की मौजूदगी में हुआ है। सभी को 50 रुपए देने होंगे। मुझे उम्मीद है कि जो लोग नहीं दे रहे हैं, वे भी दे देंगे। आदेश का पालन न करने वाले चीनी मिल मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। किसानों को 1.1 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में भारी बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा।'

चालक ने महिला यात्री से उत्पीड़न किया, गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक में ऐप आधारित कैब सेवा के चालक को एक महिला यात्री का उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार कर किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार छह नवंबर को हुई यह घटना तब सामने आई जब महिला ने सोशल मीडिया पर इसके बारे में पोस्ट किया। पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी टीम ने पोस्ट देखकर उससे संपर्क कर जानकारी ली। उन्होंने बताया कि अगले दिन मामला दर्ज कर लिया गया और जांच शुरू की गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, आरोपी की पहचान मुनियप्पा लेआउट, उल्लाल निवासी 28 वर्षीय लोकेश के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना के समय महिला चर्च स्ट्रीट से अपने 'पेइंग गेस्ट' (पीजी) लौट रही थी।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर सेमिनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय, यलहंका ने वस्त्र मंत्रालय के साथ मिलकर 7 नवम्बर को दोड्डबल्लापुरा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क में एक सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार का उद्देश्य नियोक्ताओं को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) के लाभों के बारे में जानकारी देना था। इस अवसर पर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I व प्रभारी अधिकारी स्वगता राय, के नेतृत्व में क्षेत्रीय कार्यालय, यलहंका की टीम ने योजना के विभिन्न लाभों के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि यह योजना रोजगार सशक्तिकरण, कार्यबल के औपचारिकीकरण एवं विकास को गति देने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। इसके साथ ही उन्होंने कर्मचारी नामांकन अभियान 2025 के बारे में भी जानकारी दी, जो सामाजिक सुरक्षा के विस्तार और कार्यबल के औपचारिकीकरण पर केंद्रित है।

वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय के उप निदेशक व प्रभारी अधिकारी एम. बालासुब्रमण्यम तथा उनकी टीम ने भी नियोक्ताओं से इस योजना में पंजीकरण कर इसके लाभ लेने का आग्रह किया। दोड्डबल्लापुरा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क के अध्यक्ष एच. जे. नतेश कुमार तथा उनकी टीम ने भी नियोक्ताओं को पीएमवीबीआरवाई के अंतर्गत पंजीकरण कर इसका

अन्नामलाई और तेजस्वी सूर्या ने गोवा में आयरनमैन 70.3 दौड़ पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने लगातार दूसरे साल गोवा में आयरनमैन 70.3 एंड्योरेंस रेस सफलतापूर्वक पूरी की और फिटनेस और अनुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस वर्ष के आयोजन में तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई भी शामिल हुए।

सांसद सूर्या ने दौड़ के तीन कठिन चरण – 1.9 किमी तैराकी, 90 किमी साइकिलिंग और 21.1 किमी दौड़ – 7 घंटे 49 मिनट में पूरे किए। इसमें तैराकी में लगभग 44 मिनट, साइकिलिंग में 3 घंटे 47 मिनट और दौड़ में 2 घंटे 54 मिनट लगे। दूसरी ओर, अन्नामलाई ने दौड़ 8 घंटे 13 मिनट में पूरी की।

सत्य साईं बाबा की परियोजनाएं आज भी मानवता की सेवा में जुटी हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुट्टपर्थी/बेंगलूरु। मां ईश्वरम्मा ने अपने पुत्र सत्य साईं बाबा से तीन इच्छाएं जताई थीं और उनकी इन्हीं इच्छाओं का परिणाम है कि आज शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और समाज सेवा के क्षेत्र में विशाल धर्मार्थ परियोजनाओं का निर्माण हुआ। भले ही सत्य साईं बाबा इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनके द्वारा शुरू की गईं ये परियोजनाएं आज भी मानवता की सेवा कर रही हैं। ये अग्रणी परियोजनाएं निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य से लेकर उच्चतर स्वास्थ्य देखभाल अस्पताल, प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टरेट अनुसंधान तक की निःशुल्क शिक्षा, दूरदराज के गांवों में निःशुल्क पेयजल आपूर्ति सेवा उपलब्ध कराती हैं। इन परियोजनाओं ने साईं बाबा और आंध्र प्रदेश के इस छोटे से गांव पुट्टपर्थी का नाम दुनिया भर में रोशन किया है। पिछले लगभग 50 वर्षों में ये परियोजनाएं श्री सत्य साईं उच्च शिक्षा संस्थान और संबद्ध शैक्षणिक संस्थानों, श्री सत्य साईं उच्च चिकित्सा विज्ञान संस्थान और संबद्ध स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों और श्री सत्य साईं पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं के रूप में अत्याधुनिक और विश्व स्तरीय संस्थानों में परिवर्तित हो गई हैं। ये संस्थान सत्य

साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह के दौरान मानवता की सेवा में स्वयं को पुनः समर्पित करने के लिए तैयार हैं।

बाबा की विरासत से जुड़ी परियोजनाओं को श्री सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी आर जे रत्नाकर ने पीटीआई-भाषा' को बताया, ''सभी कार्य बिल्कुल उसी तरह जारी हैं जैसा कि उन्होंने हमें निर्देश दिया था। उनके निर्देशानुसार ही हम बाबा के सभी भक्तों और अनुयायियों के सहयोग से शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक सेवाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।'' हाल में मुफ्त रोबोटिक हृदय शल्य चिकित्सा की शुरुआत को इसी उन्नयन प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है।

श्री सत्य साईं उच्च चिकित्सा विज्ञान संस्थान के संयुक्त निदेशक और हृदय शल्य चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. अनिल कुमार मूलपुर ने कहा कि पुट्टपर्थी और बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड स्थित अस्पताल में पिछले 25 वर्षों से यह सेवा दी जा रही है और यह उपचार जाति, रंग, पंथ, राष्ट्रीयता या धर्म के आधार पर नहीं बल्कि मुफ्त है। उन्होंने दावा किया कि पुट्टपर्थी का अस्पताल दुनिया का पहला ऐसा अस्पताल है जहां मुफ्त रोबोटिक हृदय शल्य चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध है। रत्नाकर ने बताया कि दान के साथ-साथ ट्रस्ट ने बाबा के निःशुल्क कार्यक्रमों और सेवा कार्यों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से एक कोष भी बनाया है।

उन्होंने कहा, ''हमारे पास कुछ हजार करोड़ रुपये का कोष है, जिस पर ब्याज मिलता है।''

दीक्षांत समारोह — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु में रविवार को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की उपस्थिति में आयोजित जेएसएस उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी के 16वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल थावरचन्द गहलोत, जेएसएस उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी के कुलाधिपति जगद्गुरु श्री शिवरात्रि देशिकेन्द्र महास्वामीजी, तथा सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शिवराज पाटिल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंता उपचुनाव के लिए थमा प्रचार, कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बारां जिले में अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान रविवार शाम को थम गया। इस सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा है। इस सीट पर उपचुनाव को शुरू में सामान्य चुनाव के रूप में ही देखा जा रहा था लेकिन अब यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत की प्रतिष्ठा का सवाल बनता दिख रहा है। अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

भाजपा ने अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए मोरपाल सुमन को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की ओर से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन चुनाव मैदान में हैं। यह सीट भारतीय जनता पार्टी के विधायक कंवरलाल मीणा को अयोग्य घोषित किए जाने के कारण खाली हुई थी। भाजपा के उम्मीदवार मोरपाल को राजे की पसंद बताया गया है। कांग्रेस ने दो बार के विधायक, पूर्व मंत्री और गहलोत के करीबी प्रमोद जैन भाया को टिकट दिया है। वहीं पहले भाजपा का टिकट मांग रहे नरेश मीणा ने निर्दलीय के रूप में मैदान में उतरकर मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है।

भाजपा के लिए यह उपचुनाव पार्टी की संगठनात्मक एकता की भी परीक्षा माना जा रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने बृहस्पतिवार को अंता में संयुक्त रोड शो किया। इसे संगठन के नेताओं में एकजुटता दिखाने का प्रयास माना गया क्योंकि पार्टी में गुटबाजी की चर्चाएं लगातार होती रही हैं। हालांकि भाजपा नेताओं ने कहा कि सुमन की उम्मीदवारी मुख्यमंत्री शर्मा व राजे के बीच आम सहमति के फार्मूले को दर्शाती है।

राजे ने प्रचार के दौरान कहा, यह उपचुनाव जनबल और धनबल के बीच है। एक तरफ जनबल मतलब जनता की ताकत है, तो दूसरी तरफ धनबल अर्थात पैसों की ताकत है। जनबल हमारे साथ है। इसलिए तय मानिये जनबल जीतेगा और धनबल हारेगा।

गहलोत ने पार्टी उम्मीदवार भाया के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रचार किया है। उन्होंने प्रचार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और स्थानीय विश्वास पर केंद्रित रखा। उन्होंने बारां में एक सभा में कहा, यह महज चुनाव नहीं है– यह लोगों को राहत पहुंचाने वाले कामों को जारी रखने के बारे में है। इस इलाके में मीणा समाज के लोग बड़ी संख्या में है। निर्दलीय नरेश मीणा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। विश्लेषकों के अनुसार आदिवासी और ओबीसी मतदाताओं के बीच मीणा की बढ़ती पकड़ ने भाजपा और कांग्रेस, दोनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हाड़ौती इलाके की अंता विधानसभा सीट राजनीतिक रूप से रूप बदलती रही है। कांग्रेस ने 2008 और 2018 में यह सीट जीती तो भाजपा ने 2013 व 2023 में इस सीट पर जीत हासिल की। स्थानीय लोगों का कहना है कि जातिगत समीकरण, विकास के मुद्दे और राज्य स्तर पर सरकार की छवि इस बार मतदाताओं के रुख को प्रभावित कर रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश सिंह तोमर ने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए सारे बंदोबस्त कर लिए गए हैं। संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण, स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कर रहे हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अंता विधानसभा क्षेत्र में कुल 268 मतदान केन्द्रों पर मतदान होगा। क्षेत्र में 2,28,264 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 1,16,783 पुरुष व 1,11,477 महिलाएं शामिल हैं। इस उपचुनाव को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पदभार ग्रहण करने के बाद पहली चुनावी परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। यहां जीत मिली तो उनके नेतृत्व की स्वीकार्यता बढ़ेगी तथा लंबे समय से राजे का गढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र में भाजपा के संगठनात्मक नियंत्रण की पुष्टि होगी। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव उतना ही महत्वपूर्ण है। भाया की जीत गहलोत की लोक कल्याणकारी राजनीति में निरंतर विश्वास का संकेत देगी और पिछले विधानसभा चुनावों में हार के बाद पार्टी का मनोबल बढ़ाने में मदद करेगी।

वंदे मातरम् के संदेश को आमजन तक पहुंचाएं : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर प्रभात फेरी,बाइक रैली, स्वच्छता अभियान एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत समेत विभिन्न जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति में सैकड़ों हाथों में लहराते तिरंगे और स्वर लहरियों के साथ भारत मां का गुणगान और नमन किया गया।

इस दौरान पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व बाड़मेर जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि यह दिन हम सबके लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम गीत स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा बना। इसने हर भारतीय के मन में मातृभूमि के प्रति प्रेम और त्याग की भावना जगाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उत्सव को राष्ट्रीय उत्सव बनाकर इस गीत के महत्व को हम सबको जानने का अवसर दिया है।

प्रभारी मंत्री कुमावत ने कहा कि इस गीत के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हम सब मिलकर यह प्रण लें कि अपने कर्म और परिश्रम से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। इस दौरान अहिंसा सर्किल से प्रभारी मंत्री जोरा राम कुमावत, चौहटन विधायक आदू राम मेघवाल,जिला कलक्टर श्रीमति टीना डाबी एवं समाजसेवी अनंत राम विश्नोई, दीपक कड़वासरा, दिलीप पालीवाल ने प्रभात फेरी एवं बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली अहिंसा सर्किल से मल्लीनाथ सर्किल पहुंची। जबकि प्रभात फेरी स्टेशन रोड़ से होते हुए शहीद सर्किल पहुंची, जहां प्रभारी मंत्री कुमावत समेत विभिन्न जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेंद्र सिंह चांदावत, यूआईटी सचिव श्रवण सिंह राजावत, उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर, एएसपी अरविंद जांगिड,समाजसेवी रमेश सिंह इंदा, देवीलाल कुमावत, मूल सिंह जुडिया, खुमान सिंह, लूणकरण बोथरा, दमाराम माली, हरीश मूंदडा, रामकुमार जोशी समेत विभिन्न गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सैन्य अभ्यास के दौरान मिसाइल का टुकड़ा गांव के पास गिरा, कोई हताहत नहीं

जयपुर। पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में नियमित सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान मिसाइल का टुकड़ा रेंज की सीमा से बाहर एक गांव के पास जा गिरा। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान होने की कोई खबर नहीं मिली है। सैन्य सूत्रों के अनुसार घटना राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित रेंज में उस समय हुई जब सैन्य अभ्यास के दौरान दागी गई एक मिसाइल कथित तौर पर अपने निर्धारित लक्ष्य से भटक गई और जैसलमेर के लाठी इलाके के पास भादरिया गांव से लगभग 500 मीटर दूर जा गिरी।

मिसाइल का टुकड़ा गिरने पर जोरदार धमाका हुआ जिसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई। लाठी के थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने कहा, यह फील्ड फायरिंग रेंज में ही गिरी। नियमित अभ्यास के दौरान यह घटना हुई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस के साथ सेना और वायुसेना की टीम घटनास्थल पर पहुंचीं और इलाके की घेराबंदी कर दी। अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल के टुकड़े बरामद कर फायरिंग रेंज में ले जाए गए हैं।

भगवान बिरसा मुंडा 150 वीं जयंती वर्ष पर शर संधान कर धरतीपुत्र वीर धनुर्धर कप का किया शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अल सुबह भोर वेला में जिला प्रभारी मंत्री एवं टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी के अगुवाई में जब विशाल रैली शहर के मुख्य मार्गों से गुजरी तो पूरा शहर राष्ट्रगीत वंदे मातरम की स्वर लहरियों से गूंज उठा। मौका था जनजाति गौरव वर्ष 2025–भगवान बिरसा मुंडा 150 सी जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्र गीत वंदे मातरम/150 जिला स्तरीय कार्यक्रम जागरूकता रैली आयोजन का। रविवार को स्थानीय लक्ष्मण मैदान में आयोजित विशाल जागरूकता रैली को प्रभारी मंत्री एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इस अवसर पर विधायक सागवाड़ा शंकर लाल डेचा, सभापति अशोक पटेल, नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, समाजसेवी बंशीलाल कटारा, जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, समाजसेवी पवन जैन, सुदर्शन जैन एवं पार्षद गण, गणमान्य नागरिक, अधिकारी कर्मचारी, स्काउट गाइड, महिला एवं बाल विकास विभाग, छात्र–छात्राएं तथा आमजन मौजूद रहें।

रैली की अगुवाई जिला प्रभारी मंत्री एवं जनजाति क्षेत्र विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने की। इस मौके पर विधायक सागवाड़ा शंकरलाल डेचा, नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, बंशीलाल कटारा, जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, पंकज जैन एवं गणमान्य जनप्रतिनिधि गण, पार्षद सहित रैली में सम्मिलित समस्त लोगों के साथ कदम से कदम मिलाकर हाथ में तिरंगा लेकर पूरे जोश के साथ रैली तहसील चौराहा, पुराना बस स्टैंड, शास्त्री मार्ग, नया बस स्टैंड होते हुए समापन स्थल शहीद पार्क तक पहुंची। शहीद पार्क में प्रभारी मंत्री एवं टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी एवं समस्त अतिथियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पण कर तथा शहीदों की मूर्तियों पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी श्रीमती राजू देवी पत्नी स्वर्गीय जीवा भाई, आश्रित स्वतंत्रता सेनानी श्रीमती नवल पत्नी स्वर्गीय सेंगाजी, शहीद कालिया भील, शहीद रामजी मीणा, शहीद हवलदार भरतलाल, लोकतंत्र सेनानी राजेंद्र प्रसाद कोठारी, आश्रित लोकतंत्र सेनानी श्रीमती कल्पना जोशी पत्नी स्वर्गीय यशवंत कुमार जोशी, श्रीमती तारा देवी जैन पत्नी स्वर्गीय पीयूष कुमार जैन को प्रभारी मंत्री खराड़ी ने शोल ओढा कर श्रीफल भेंट कर अभिनंदन–बहुमान किया। कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए प्रभारी एवं टीएड मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने जनजाति गौरव वर्ष 2025–भगवान बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता आंदोलन में अहम योगदान, उनकी राष्ट्रभक्ति, अंग्रेजों के विरुद्ध शुरू किए गए आंदोलन तथा राष्ट्र के लिए उनके प्राणों के बलिदान की अमर गाथा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है और स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के पद चिन्हों पर चलकर उनका अनुकरण करना चाहिए।

इस अवसर पर विधायक सागवाड़ा शंकर लाल डेचा ने भगवान बिरसा मुंडा, जनजाति जननायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रहित के लिए उनके बलिदान को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में जब शिक्षा विभाग के शिक्षकों की अगुवाई में अतिथियों सहित समस्तजन ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया तो समूचा वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया। इस मौके पर अतिथियों ने तिरंगे रंगों से सजे गुब्बारों को आकाश में छोड़कर स्वतंत्रता के मायनों कोई इंगित करते हुए राष्ट्र एवं प्रदेश को नव ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प किया। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री खराड़ी एवं समस्त अतिथि जिला चिकित्सालय पहुंचे तथा वहां भगवान बिरसा मुंडा 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अलंकर गुप्ता ने बताया कि शिक्षा विभाग, स्काउट तथा स्वयं सेवी संस्थाओं के वॉलिंटियर्स द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया।

जनजातीय गौरव दिवस पर राजीविका के सहयोग से वन धन विकास केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के सहयोग से बांसवाडा, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, सिरोही, उदयपुर जिलों में स्थापित वन धन विकास केन्द्रों पर भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । कार्यक्रम स्थलों पर जनजातीय संस्कृति, परंपरा और महिला सशक्तिकरण का अद्भुत संगम देखने को मिला । इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष, समाज सेवा एवं आदिवासी अधिकारों के प्रति उनके योगदान की कहानियां सदस्यों को सुनाई गयी बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, समर्पण और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उनके आदर्शों से हमें समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की प्रेरणा मिलती है।

वन धन उत्पादों की प्रदर्शनी बनी मुख्य आकर्षण : कार्यक्रम के अंतर्गत वन धन विकास केंद्र द्वारा निर्मित हस्तशिल्प एवं प्राकृतिक उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शनी में स्थानीय महिलाओं द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल, पलाश साबुन, कंकोड़ा अचार, मुखवास, शहद, धावड़ी गोंद, मल्कांगनी तेल, मोरिंगा पाउडर, नीम–हल्दी–चंदन–एलोवेरा साबुन, जूट बैग आदि उत्पादों का प्रदर्शन किया गया । ये उत्पाद पूर्णतः प्राकृतिक, पर्यावरण अनुकूल एवं स्थानीय संसाधनों पर आधारित हैं, जिन्हें ग्रामीण महिलाएँ पारंपरिक विधियों से तैयार करती हैं।

गाय के गोबर को आजीविका से जोड़ें तो नए समृद्ध भारत का होगा निर्माण : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व बाड़मेर जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने बाड़मेर प्रवास के दौरान रविवार को आदर्श डूंडा में बाबा रामदेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा एवं जीवित भंडारा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने 1008 खुशाल गिरी जी महाराज व अन्य संतों से आशीर्वाद लिया। साथ ही मंत्री कुमावत के कार्यक्रम में पहुंचने पर पोकरण विधायक प्रतापपुरी जी महाराज सहित आयोजकों ने उनका सम्मान किया।

इस दौरान पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गऊ माता का व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में बड़ा योगदान है। जब व्यक्ति गऊ को पवित्र व शुभ मानकर उसकी सेवा करता है तब वह व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, आर्थिक और आध्यात्मिक विकास करती है। पर्यावरण शुद्धि में भी गाय का योगदान है। आयुर्वेद में गोमूत्र और गोमूत्र से बनी दवाएं मधुमेह, कैंसर, एड्स, एक्जिमा आदि त्वचा रोग में फायदेमंद मानी जाती है।

खेती के लिए गाय के गोबर अच्छा होता है। गोबर और गोमूत्र जैविक खाद मिट्टी के पोषण के लिए कीटनाशक के रूप में कार्य करता है। गांवों में घरों की दीवारों और फर्श पर गोबर लेपन से जीवाणुओं का नाश होता है।कुमावत ने कहा प्राचीन काल से ही, हिंदू गाय की पूजा और संरक्षण करते रहे हैं, यह मानते हुए कि यह पशु 33 करोड़ देवताओं का प्रतीक है।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि गाय को रोजगार से भी जोड़ना चाहिए। गोबर प्लांट लगाकर उसकी गैस का घरों में प्रयोग किया जाए। हमने यदि गाय के गोबर को आजीविका से जोड़ दिया तो नए समृद्ध भारत का निर्माण होगा। कुमावत ने कहा कि निराश्रित गाय को गोशाला में रखकर केंद्र व राज्य सरकार की ओर से वित्तीय सहायता देकर उसका पालन पोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दूधारू गाय को सड़कों पर छोड़ने की आदत बदलनी होगी। उन्होंने पशुपालकों से आह्वान कि वे गाय को घर में रखकर ही पालें, ताकि बेसहारा पशुओं की वजह से होने वाले हादसों को रोका जा सके। इस मौके पर चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, समाजसेवी अनंतराम बिश्नोई, दिलीप पालीवाल, देवीलाल प्रजापत, दीपक कड़वासरा आदि मौजूद रहे।

बिजली का करंट लगने से दो भाइयों की मौत

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में रविवार सुबह जमीन पर पड़े बिजली के तार की चपेट में आने से दो भाइयों की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस हादसे के बाद स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया और बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की। पुलिस के अनुसार यह घटना पीपलू थाना क्षेत्र के बलखंडिया गांव में उस समय हुई जब रामनारायण (35) और हरलाल (26) अपने खेतों की ओर जा रहे थे। पीपलू के थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने कहा, दोनों भाई सूखे नहर मार्ग से जा रहे थे तभी उनका पैर बिजली के टूटे हुए तार पर पड़ गया और उन्हें करंट लग गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

भारतीय संस्कृति प्रकृति पूजक, हवा, पानी और मिट्टी की शुद्धता के लिए सब मिलकर कार्य करें

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भारतीय संस्कृति को प्रकृति पूजक बताते हुए कहा कि हवा, पानी, मिट्टी की शुद्धता नहीं रखने से ही पर्यावरण का संकट गहराया है। उन्होंने कहा कि पेड़ धरती का शृंगार हैं। उन्हें अधिक से अधिक लगाएं ही नहीं बल्कि लगाने के बाद पनपने तक उनका संरक्षण भी करें। राज्यपाल रविवार को सीतापुरा स्थित विज्ञान भारती पार्क में 'एक वृक्ष माँ के नाम' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विज्ञान भारती ने अनुपयोगी डंपिंग यार्ड में वृक्षारोपण कर उसे ऑक्सी जोन के रूप में विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। यह अनुकरणीय है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध वायु और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बनेगा।

बागड़े ने पेड़ लगाने के साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए भी सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान प्रसार का एक अर्थ यह भी है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें।

राजद-कांग्रेस की होगी करारी हार, विकसित राज्य बनेगा बिहार : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सासाराम/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि पहले चरण के मतदान से स्पष्ट हो गया है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन को इस चुनाव में करारी हार, का सामना करना पड़ेगा।

बिहार के सासाराम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, पहले चरण के मतदान से जनता का मूड साफ दिखाई दे रहा है। राजद और कांग्रेस की हार तय है। बिहार की जनता राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ है और राजग की जीत तय है।

गृह मंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने हाल ही में घुसपैठियों की रक्षा के लिए यात्रा निकाली थी। उन्होंने घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बना लिया है। वे बिहार को 'इन्फिल्ट्रेटर कॉरिडोर' बनाना चाहते हैं, जबकि मोदी जी इसे 'इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि राजग अगले पांच वर्ष में बिहार को एक विकसित राज्य बनाएगा। उन्होंने कहा, राजग के पास 'पांच पांडव' हैं, जो एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी जी ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त किया और राज्य में विकास का नया दौर शुरू किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (सप्रंग) शासनकाल में देश आतंकवादी घटनाओं से जूझ रहा था, लेकिन मोदी सरकार ने आतंकवाद पर कठोर प्रहार किया। उन्होंने कहा, बाबर ने 550 साल पहले राम मंदिर को ध्वस्त किया था और कांग्रेस ने दशकों तक उस मुद्दे को लटकाए रखा। मगर मोदी जी के नेतृत्व में 2024 में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। अब सीतामढ़ी में सीता माता मंदिर का निर्माण भी हो रहा है, जो ढाई साल में पूरा होगा।

दलित नेता बाबू जगजीवन राम का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री बन सकते थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उन्हें रोका। कांग्रेस ने हमेशा दलितों के साथ अन्याय किया है।

बिहार में चुनाव हो रहे हैं और राहुल मप्र में जंगल सफारी का आनंद उठा रहें : भाजपा

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने रविवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर राजनीति को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया और कहा कि जब बिहार जैसे महत्वपूर्ण राज्य में चुनाव हो रहे हैं तब वरिष्ठ कांग्रेस नेता मध्यप्रदेश में जंगल सफारी का आनंद उठा रहे हैं। मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करने आए राहुल गांधी ने आज सुबह जंगल सफारी का लुत्फ उठाया।

यहां प्रदेश भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सारंग ने कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है, लेकिन असल में वे खुद राजनीति को गंभीरता से नहीं लेते। उन्होंने कहा, देश में जब राजनीतिक माहौल गर्म होता है तो राहुल गांधी कभी विदेश यात्रा पर निकल जाते हैं तो कभी जंगल सफारी पर। वे राजनीति को गंभीरता से नहीं लेते हैं और अपनी नाकामी छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाते हैं। बिहार में दूसरे चरण के चुनाव के तहत 122 सीटों पर 11 नवंबर को मतदान होना है।

इसके मद्देनजर रविवार शाम चुनाव प्रचार का शोर थम गया। परिणाम 14 नवंबर को आएंगे। सारंग ने राहुल गांधी पर हमला जारी रखते हुए कहा कि वह लिखा हुआ (स्क्रिप्ट) भाषण पढ़ा करते हैं और उनका राजनीतिक व्यवहार भी दिखावटी होता है।

बंगाल के नादिया में महुआ मोइत्रा और पिनाकी मिश्रा के शादी समारोह पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कृष्णानगर/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा और बीजू जनता दल (बीजद) नेता पिनाकी मिश्रा ने शादी के बाद शनिवार को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के करीमपुर में एक भोज की मेजबानी की।

हालांकि, इस समारोह में तब विवाद खड़ा हो गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक युवा नेता ने आरोप लगाया कि सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया गया, जिससे स्थानीय लोगों को असुविधा हुई। 'करीमपुर रेगुलेटेड मार्केट ग्राउंड' में आयोजित इस समारोह में लगभग 6,000 मेहमानों ने हिस्सा लिया, जिनमें परिवार के सदस्य, सहकर्मी और प्रमुख स्थानीय निवासी शामिल थे। महुआ और पिनाकी ने कुछ महीने पहले जर्मनी में शादी की थी। भाजपा की युवा शाखा 'भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो)' के नेता कृष्णु सिंघा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''महुआ मोइत्रा आपको ढेर सारी शुभकामनाएं। लेकिन एक सवाल है – शादी समारोह में 6,000 से ज्यादा लोगों को आमंत्रित किया गया। करोड़ों की लागत से पूरे मैदान को पंडालों और लाइट से सजाया गया। बहुत बढ़िया। सभी को खुशियां मनाने का अधिकार है।''

भाजयुमो नेता ने आरोप लगाया कि समारोह के चलते बस सेवाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने सवाल किया कि प्रशासन ने निजी कार्यक्रम के लिए इस आयोजन स्थल के इस्तेमाल की अनुमति क्यों दी, जबकि पहले धार्मिक समारोहों के लिए अनुमति नहीं दी गई थी। सिंघा ने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों से, अधिकारियों ने कीर्तन, बॉल मेला आदि जैसे किसी भी धार्मिक आयोजन की अनुमति नहीं दी है। क्यों?'' वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज किया।

बिहार भाजपा-जद(यू) के लूट की कीमत चुका रहा : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भाजपा-जद(यू) पर भ्रष्टाचार के जरिए पिछले 20 वर्षों से बिहार को ''लूटने'' का रविवार को आरोप लगाया और विश्वास जताया कि राज्य के लोग अपने वोट के जरिए इस ''ट्रबल इंजन सरकार'' से मुक्ति पा लेंगे। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने दावा किया कि बिहार के लोग पिछले 20 वर्षों से जारी लूट, भ्रष्टाचार और लापरवाही की कीमत चुका रहे हैं। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''बिहार में भारतीय जनता पार्टी-जनता दल (यूनाइटेड) की ट्रबल इंजन सरकार लूट और लापरवाही के नए कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है।'' उन्होंने कहा कि बिहार सरकार में हुए जातिगत सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि बिहार के लगभग नौ करोड़ लोग रोज़ केवल 67 रुपया प्रतिदिन में गुजारा कर रहे हैं। रमेश ने कहा, ''सवाल उठता है कि बीते 20 वर्षों में भाजपा-जद(यू) सरकार ने बिहार के बजट और पैसों का किया क्या?'' कांग्रेस नेता ने कहा कि इसका जवाब कैग की रिपोर्ट में मिलता है -कैसे केंद्र की मोदी सरकार और बिहार की भाजपा-जद(यू) सरकार ने ''घोटालों और जानबूझकर की गई लापरवाही'' से बिहार का भविष्य ''लूट'' लिया।

रमेश ने कहा कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, बिहार सरकार ने 70,877.61 करोड़ खर्च किए, लेकिन खर्च की गई राशि के 49,649 उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा ही नहीं किए। उन्होंने कहा कि यानी इतनी बड़ी राशि कहां और कैसे खर्च हुई इसका कोई प्रमाण नहीं है, जबकि यह राशि दलित, अति पिछड़ों, किसानों, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, शिक्षा और विकास पर खर्च होनी थी। उन्होंने दावा किया, ''जिन विभागों के खर्च का कोई प्रमाण नहीं: उनमें सहकारिता के 804.69 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य के 860.33 करोड़ रुपए, पिछड़ा-अति पिछड़ा कल्याण के 911.08 करोड़ रुपए, सामाजिक कल्याण के 941.92 करोड़ रुपए, एससी/एसटी कल्याण के 1,397.43 करोड़ रुपए, कृषि के 2,107.63 करोड़ रुपए, ग्रामीण विकास के 7,800.48 करोड़ रुपए, शहरी विकास के 11,065.50 करोड़ रुपए, शिक्षा के 12,623.67 करोड़ रुपए, पंचायती राज के 28,154.10 करोड़ रुपए शामिल हैं।'

पुलिस ने छापा मारकर कई करोड़ रुपए नकद और मादक पदार्थ बरामद किए

प्रतापगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के थाना मानिकपुर पुलिस ने मुंदीपुर गांव में गांजा और स्मैक तस्कर के घर पर छापा मारकर कई करोड़ रुपए की नकदी, गांजा और स्मैक बरामद किया है और गिरोह की मुखिया और उसके बेटे-बेटी सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि क्षेत्राधिकारी (कुंडा) अमरनाथ गुप्ता के नेतृत्व में मानिकपुर पुलिस ने मुंदीपुर गांव में तस्करी में लिप्त गिरोह के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए शनिवार को राजेश मिश्रा के घर पर छापा मारकर उसकी पत्नी और गिरोह की मुखिया रीना मिश्रा, बेटा विनायक मिश्रा, बेटी कोमल मिश्रा सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से दो करोड़ रुपए से अधिक की नकदी, 6,075 किलोग्राम गांजा और 1.15 करोड़ रुपए मूल्य का 577 ग्राम स्मैक बरामद किया। दबिश के दौरान पुलिस टीम जब राजेश मिश्रा के घर पहुंची तो रीना मिश्रा ने दरवाज़ा अंदर से बंद कर लिया था और जब दरवाजा खोला गया तो अंदर पांच लोग पॉलीथिन में गांजा और स्मैक छिपाने का प्रयास कर रहे थे।

एएसआई ने कोणार्क सूर्य मंदिर के 'नट मंडप' में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने ओडिशा के पुरी जिले में स्थित कोणार्क सूर्य मंदिर के 'नट मंडप' में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। एएसआई द्वारा शनिवार को जारी निर्देश के अनुसार, पर्यटकों को अब 13वीं शताब्दी के मंदिर के 'नट मंडप' पर प्रवेश करने या पत्थर की नक्काशीदार कलाकृतियों को छूने की अनुमति नहीं होगी।

आदेश को लागू करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

एएसआई के अधीक्षक पुरातत्वविद् डी बी गडनायक ने इस कदम को उचित ठहराते हुए कहा कि सेल्फी और तस्वीरें लेते समय पर्यटकों की लापरवाही के कारण नट मंडप से गिरने और गंभीर रूप से घायल होने की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह, कुछ पर्यटक स्मारक को छूते और खरोंचते भी देखे गए। इसलिए, स्मारक के संरक्षण और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए, नट मंडप में लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। यह मंदिर प्रतिदिन भारत के विभिन्न भागों से हजारों पर्यटकों और विदेशियों को आकर्षित करता है। कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण पूर्वी गंग वंश के राजा नरसिंह देव प्रथम ने लगभग सन् 1250 में करवाया था। सूर्यदेव को समर्पित यह मंदिर कलिंग वास्तुकला और कलात्मक उत्कृष्टता का उदाहरण है। यह मंदिर 100 फुट (30 मीटर) ऊंचे रथ जैसा दिखता है जिसके विशाल पहिये और घोड़े पत्थर से तराशे गए हैं। कोणार्क सूर्य मंदिर को 1984 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

असम सरकार ने 1,140 बीघा वन भूमि पर 'अतिक्रमण' हटाने के लिए बेदखली अभियान चलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोवालपारा (असम)/भाषा। असम सरकार ने रविवार को गोवालपारा जिले में 1,140 बीघा (376 एकड़ से अधिक) वन भूमि पर कथित अतिक्रमण को हटाने के लिए बेदखली अभियान शुरू किया, जिससे लगभग 600 परिवार प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गोवालपारा जिला आयुक्त (डीसी) प्रदीप तिमुंग के अनुसार, दहिकाटा आरक्षित वन में अतिक्रमित क्षेत्र को खाली कराने का कार्य शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है। उन्होंने कहा, 580 परिवारों ने 1,140 बीघा जमीन पर अतिक्रमण कर रखा था। उन्हें जमीन खाली करने के लिए 15 दिन पहले नोटिस जारी किए गए थे। तिमुंग ने कहा कि नोटिस मिलने के बाद क्षेत्र के लगभग 70 प्रतिशत अवैध निवासी पहले ही स्थान छोड़ चुके हैं, जबकि शेष लोग अपने घर खाली कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने बेदखली अभियान के लिए दो दिन तय किए थे, लेकिन प्रशासन को उम्मीद है कि यह अभियान आज ही पूरा हो जाएगा। अब तक हमें किसी तरह के विरोध का सामना नहीं करना पड़ा है। हम अतिक्रमित भूमि पर बचे हुए घरों को गिरा रहे हैं। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन ने पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया था और बेदखली अभियान के दौरान दर्जनों उत्खनन मशीनों के साथ-साथ कई ट्रैक्टरों का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा, हमने क्षेत्र को पांच ब्लॉकों में विभाजित किया है और केवल एक ब्लॉक में कुछ लोग अब भी वहां हैं।

पिछले एक साल में संघर्षों से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की: शेफाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारत की महिला विश्व कप विजेता टीम की सदस्य शेफाली वर्मा ने रविवार को कहा कि पिछले एक साल में उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा और उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए 'कड़ी मेहनत' की और टीम को ऐतिहासिक विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में शामिल की गईं 21 वर्षीय शेफाली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में मेजबान टीम की 52 रन की जीत के दौरान 87 रन की पारी खेलने के अलावा 36 रन देकर दो विकेट भी चटकाए जिसके लिए उन्हें मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। शेफाली ने रोहतक में एक सम्मान समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, ''पिछला एक साल मेरे लिए बहुत कठिन रहा। मुझे बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ा

मैं कड़ी मेहनत करती रही और ईश्वर ने मेरी मेहनत का फल मुझे दिया।''शेफाली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह अंतिम चार के मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं लेकिन हरियाणा की इस खिलाड़ी ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। शेफाली ने कहा, ''सेमीफाइनल से पहले जब मैं भारतीय टीम में शामिल हुई तो मैंने विश्व कप जीत में योगदान देने की ठान ली थी। फाइनल हमेशा एक बड़ा मंच होता है। शुरुआत में मैं थोड़ी घबराई हुई थी लेकिन मैंने खुद को शांत किया, अपनी रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया और उसे अच्छी तरह से लागू किया। इससे मुझे ऑलराउंड प्रदर्शन करने में मदद मिली।'' अपने गृहनगर रोहतक पहुंचने पर भव्य स्वागत के बाद इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज ने लड़कियों से आत्मविश्वास रखने और कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया और कहा कि परिणाम जरूर मिलेंगे।

शेफाली ने कहा, ''उन्हें हमेशा कड़ी मेहनत करनी चाहिए। चाहे वे कोई भी क्षेत्र चुनें। आत्मविश्वास भी रखना चाहिए और इससे परिणाम जरूर मिलेंगे।'' हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पिछले रविवार को नवी मुंबई में हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला विश्व खिताब जीता।

अगला लक्ष्य जीत को आदत बनाना है: रेणुका ठाकुर

शिमला/भाषा। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने रविवार को यहां कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप जीतकर एक मानक स्थापित कर दिया है और टीम का अगला लक्ष्य जीत को आदत बनाना है।

रेणुका का शिमला जिले में स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचने पर उनके परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। उन्होंने रोहड़ू के निकट प्रसिद्ध हाटकोटी मंदिर में जाकर आशीर्वाद भी लिया। रेणुका ने इस अवसर पर पत्रकारों से कहा, ''मेरी कड़ी मेहनत रंग ला रही है, लेकिन इसका श्रेय मेरी मां और भूपिंदर चाचा को जाता है, जिन्होंने मेरी प्रतिभा को पहचाना और मेरा पूरा साथ दिया।''

रेणुका ने हाथ पर पिता का टैटू गुदवाया है जो उनके लिए प्रेरणा का काम करता है क्योंकि उनके पिता केहर सिंह ठाकुर का सपना था कि उनके बच्चे खेलों में आगे बढ़ें। जब वह तीन साल की थीं, तब पिता का निधन हो गया था और उनकी मां सुनीता ठाकुर ने अकेले ही रेणुका और उनके भाई का पालन-पोषण किया। उन्होंने कहा, ''हम पर दबाव था क्योंकि हम तीन मैच हार चुके थे और आखिरी तीन मैच निर्णायक थे, लेकिन हमें विश्व कप जीतने की पूरी उम्मीद थी। अब हमारा लक्ष्य जीत को अपनी आदत बनाना है।''

मुझे जान का खतरा है, दुश्मन मुझे मरवा सकते हैं : तेज प्रताप यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने रविवार को दावा किया कि उन्हें जान का खतरा है और उनके दुश्मन उन्हें 'मरवा' भी सकते हैं।

राजद से निष्कासन के बाद हाल ही में अपनी नई राजनीतिक पार्टी बनाने वाले तेज प्रताप इन दिनों बिहार विधानसभा चुनाव में महुआ सीट से उम्मीदवार हैं। पत्रकारों से बातचीत में यादव ने कहा, मेरी सुरक्षा बढ़ा दी गई है... मुझे खतरा है। मेरे दुश्मन मुझे मरवा भी सकते हैं। अब तो हर कोई दुश्मन जैसा लगता है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके दुश्मन कौन हैं। तेज प्रताप ने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, मेरी शुभकामनाएं हमेशा उनके साथ हैं। वे आगे बढ़ते रहें। तेज प्रताप को 25 मई को राजद से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया था। इससे एक दिन पहले उन्होंने कथित तौर पर सोशल मीडिया में यह स्वीकार किया था कि वे एक महिला के साथ संबंध में हैं। बाद में उन्होंने वह पोस्ट हटा दिया और दावा किया कि उनका अकाउंट हैक हो गया था। लालू प्रसाद ने भी तेज प्रताप को उनके गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के कारण सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी।

प्रश्नपत्र में गड़बड़ी के कारण मणिपुर लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं स्थगित

इम्फाल/भाषा। मणिपुर लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) ने रविवार को परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्रों के सेट में हुई 'गड़बड़ी' के कारण दो प्रश्न पत्रों की परीक्षा स्थगित कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आयोग ने कहा कि परीक्षा की तिथि 22 नवंबर के लिए पुनर्निर्धारित की गई है। एक अधिकारी ने कहा, मणिपुर सिविल सेवा संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा 2022 सात नवंबर को शुरू हुई थी और आज (रविवार) समाप्त होने वाली थी। इसे प्रश्नपत्रों में गड़बड़ी के कारण सामान्य अध्ययन (जीएस)-तृतीय और चतुर्थ पेपर दोनों को रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इम्फाल केंद्र पर सुबह के सत्र में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को गलती से सामान्य अध्ययन-तृतीय पत्र के बजाय सामान्य अध्ययन-चतुर्थ का प्रश्नपत्र दे दिया गया।

आकाश चौधरी ने लगातार आठ छक्के और 11 गेंदों में अर्धशतक जड़कर बनाए विश्व रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। मेघालय के आकाश कुमार चौधरी रविवार को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार आठ छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यहां अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच में केवल 11 गेंदों पर इस प्रारूप का सबसे तेज अर्धशतक भी जड़ा।

चौधरी ने सीके पीठावाला मैदान पर मैच के दूसरे दिन आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यह शानदार उपलब्धि हासिल की। वह 14 गेंदों पर 50 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे मेघालय ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 628 रन के विशाल स्कोर पर घोषित कर दी। चौधरी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का लीसेस्टरशर के वेन व्हाइट के पिछला रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2012 में एसेक्स के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक बनाया था।

यही नहीं 25 वर्षीय चौधरी वेस्टइंडीज के महान सर गारफील्ड सोबर्स और भारत के रवि शास्त्री के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले तीसरे

बल्लेबाज बन गए हैं। चौधरी ने यह उपलब्धि तब दर्ज की जब मेघालय का स्कोर छह विकेट पर 576 रन था। उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत में पहली तीन गेंद पर दो रन बनाए। इसके बाद दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अगली आठ गेंदों पर छक्के लगाए। उन्होंने 126वें ओवर में लिमार डाबी की सभी छह गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया।

रविवार के मैच से पहले चौधरी ने 30 प्रथम श्रेणी मैचों में केवल दो अर्धशतकों के साथ 14.37 की औसत से रन बनाए थे। उन्होंने 28 लिस्ट-ए मैच और 20 टी20 मैच भी खेले हैं। सोबर्स ने अगस्त 1968 में नॉटिंघमशर की तरफ से ग्लेमोर्गन के खिलाफ काउंटी मैच में मैल्कम नैश के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। इस तरह से वह यह कारनामा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रहे शास्त्री ने वानखेड़े स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी 1984-85 के मैच में मुंबई की तरफ से खेलते हुए बड़ौदा के तिलक राज के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे।

मेघालय के छह विकेट पर 628 रन पर पारी घोषित करने के जवाब में अरुणाचल प्रदेश की टीम पहली पारी केवल 73 रन पर सिमट गई। फॉलोऑन के बाद भी उसकी टीम तीन विकेट पर 29 रन बना कर संघर्ष कर रही थी।

वाशिंगटन सुंदर को ऑस्ट्रेलिया में 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिसबेन/भाषा। भारतीय हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर को ऑस्ट्रेलिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में टीम की 2-1 की जीत के बाद 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा रविवार को पोस्ट किए गए 'ड्रेसिंग रूम बीटीएस' शीर्षक वाले वीडियो में जब टीम परिचालन प्रबंधक (सीओओ) राहिल खाजा ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया तो सुंदर मुस्कुराते हुए नजर आए। छब्बीस साल के सुंदर ने शृंखला के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, ''यहां आना और ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मौका मिलना अद्भुत है। टीम की जीत में योगदान देकर मुझे बहुत खुशी हुई। '' भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में जीत के दौरान सुंदर के प्रदर्शन ने टीम के लिए उनकी उपयोगिता साबित की। होबार्ट में तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हालांकि सुंदर को गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल नहीं किया गया था और उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया। इसमें उन्होंने 23 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों की मदद से 49 रन बनाकर मैच विजयी पारी खेली और भारत को पांच विकेट से जीत दिलाई जिससे शृंखला 1-1 से बराबर हो गई। फिर चौथे मैच में उन्हें अंतिम ओवरों तक गेंद नहीं दी गई, लेकिन उन्होंने दो ओवरों में पांच गेंदों पर तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को ढेर कर दिया जिससे भारत 48 रन से जीत गया।

सुविचार

व्यक्ति का मन ही उसको गुलाम, ज्ञानी, अज्ञानी और बुद्धिमान बनाता है। इसलिए मन को नियंत्रित कर अपना मार्ग सुगम बनाना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फेक न्यूज का जंजाल

ब्रिटेन में स्कूली बच्चों को फेक न्यूज की पहचान करने संबंधी पढ़ाई करवाने के फैसले से पता चलता है कि यह देश फर्जी खबरों के असर को लेकर काफी चिंतित है। आज दुनियाभर में फेक न्यूज का जंजाल फैल चुका है। ये देखते ही देखते बड़ी तादाद में लोगों तक पहुंच जाती हैं। सोशल मीडिया ने इन्हें ऐसे पंख दे दिए हैं कि दुनिया के एक कोने में कोई फेक न्यूज पोस्ट की जाती है तो वह दूसरे कोने में तुरंत प्रकट हो जाती है। जब तक सही खबर सामने आती है, बहुत देर हो जाती है। कुछ साल पहले, जब इंटरनेट सेवाओं का प्रसार हो रहा था, तब कई लोग सोचते थे कि 'फेक न्यूज फैल रही है तो उससे हमें क्या नुकसान हो सकता है? ज्यादा से ज्यादा यह होगा कि कोई गलत सूचना मिल जाएगी। बाद में तो पता चल ही जाएगा!' इस दौरान फेक न्यूज ने लोगों को कई तरह से भारी नुकसान पहुंचाया। हजारों लोग फेक न्यूज के कारण साइबर ठगी के शिकार हुए। फेक न्यूज की वजह से कई जगह हिंसक घटनाएं हुईं। इसलिए यह कहना कि 'फेक न्यूज से कोई खास नुकसान नहीं हो सकता, क्योंकि वह तो मोबाइल फोन तक सीमित रहेगी', सरासर गलत है। आज मोबाइल फोन लोगों का 'साथी' बना हुआ है। वे उस पर प्रकाशित-प्रसारित सामग्री पर बहुत विश्वास करते हैं। उसमें कौनसी सामग्री सही है और कौनसी गलत – इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को है, क्योंकि इसके लिए कोई मजबूत प्रणाली विकसित ही नहीं की गई। स्कूली बच्चों को फेक न्यूज की पहचान करने संबंधी जानकारी देना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इससे वे खुद जागरूक होंगे और अपने अभिभावकों को जागरूक करेंगे।

भारत में भी स्कूली बच्चों को ऐसी जानकारी देनी चाहिए। हालांकि यहां पाठ्यक्रम का पहले ही से काफी दबाव है। ऐसे में कोई अतिरिक्त अध्याय जोड़ने के बजाय सुबह प्रार्थना सभा या सप्ताहांत में होने वाले विशेष कार्यक्रमों में फेक न्यूज के खतरों के बारे में बताना चाहिए। उस समय बच्चों के मन में सवाल पैदा हो सकता है- फेक न्यूज क्या होती है? इसके लिए जरूरी है कि उन्हें सही खबरें दी जाएं। प्रार्थना सभा में रोजाना अखबारों से कुछ खबरें पढ़कर सुनाएं। जरूरी नहीं कि बच्चे उन्हें नोट करें। जब वे एक हफ्ते तक लगातार खबरें सुनेंगे तो उन्हें कुछ समझ जरूर हो जाएगी। एक महीने तक खबरें सुनने और शिक्षकों द्वारा सामान्य जानकारी दिए जाने के बाद वे खुद ही फेक न्यूज की पहचान करने लगेंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे। बच्चों को डिजिटल समझ के साथ वित्तीय जानकारी देनी चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि शॉर्टकट और रातोंरात धनवान बनने के चक्कर में कभी न पड़ें। ऐसे तरीके धोखाधड़ी की ओर लेकर जाते हैं। हाल में ऐसी कितनी ही खबरें आ चुकी हैं, जिनमें बताया गया कि कई उच्च शिक्षित लोग अपने निवेश पर भारी मुनाफा कमाने के लिए साइबर धोखेबाजों के जाल में फंस गए थे। नोएडा में एक सेवानिवृत्त इंजीनियर सोशल मीडिया के जरिए ऐसे लोगों के संपर्क में आए थे, जिन्होंने वादा किया कि हमारे यहां निवेश करेंगे तो दो से तीन गुना तक मुनाफा हो सकता है। उनके 71 लाख रुपए डूब गए। ऐसा क्यों हुआ? सेवानिवृत्त इंजीनियर के पास तो बहुत अनुभव था, उन्होंने बहुत अध्ययन भी किया होगा! वे ठगी के शिकार इसलिए हुए, क्योंकि उन्हें किसी ने सावधान नहीं किया था। अगर उन्हें यह पता होता कि सोशल मीडिया के दौर में ऐसे फर्जीवाड़े हो रहे हैं तो वे झांसे में न आते। इसलिए स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सही खबरें पहुंचाकर सबको जागरूक करने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

अध्यात्म, नैसर्गिक सौन्दर्य और अद्भुत सांस्कृतिक विरासत से सम्पन्न देवभूमि उत्तराखण्ड के स्थापना दिवस पर समस्त उत्तराखण्डवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! बाबा श्री केदारनाथ जी से प्रार्थना है कि यह राज्य प्रगति की नित नई ऊंचाइयों को निरंतर स्पर्श करता रहे।

-भजनलाल शर्मा

अंता-मांगरोल की जनता आज ये संदेश दे रही है कि श्री प्रमोद जैन भाया सिर्फ़ उम्मीदवार नहीं हैं, ये भरोसे का नाम हैं, सेवा की पहचान हैं। आज मांगरोल में कांग्रेस प्रत्याशी श्री प्रमोद जैन भाया के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

-अशोक गहलोत

अंता की जनता-जनार्दन से विनम्र अपील, भाजपा के 2 साल छल, कपट और बदहाली के रहे हैं, न विकास, न जनता की सुनवाई। इसलिए अब क्षेत्र की खुशहाली, जन-जन के विश्वास और सच्चाई के लिए कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद भाया जी का साथ दीजिए।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

पाप की बिक्री

एक बार कवि कालिदास बाजार में घूमने निकले। वहां उन्होंने एक स्त्री को एक घड़ा और कुछ कटोरियां लिए ग्रहकों के इंतजार में बैठे देखा। कालिदास यह देखकर परेशानी में पड़ गए। वह उस स्त्री के पास गए। उन्होंने वहां जाकर पूछा किबहन तुम क्या बेचती हो। उस स्त्री ने कहा मैं पाप बेचती हूं। मैं स्वयं लोगों से कहती हूं कि मेरे पास पाप हैं, मर्जी हो तो ले लो। लोग रुचि से ले जाते हैं। इस जबाव को सुनकर कालिदास उलझन में पढ़ गए। उन्होंने पूछा कि घड़े में कैसे पाप हो सकता है? स्त्री बोली, हां होता है, जरूर होता है। देखो , मेरे आठ घड़े में आठ पाप भरे हैं। बुद्धिमान, पागलपन, लड़ाई-झगड़े, बेहोशी, विवेक का नाश, सदगुण का नाश, सुखों का अंत औ नर्क में ले जाने वाला दुष्कर्म। और भी हैरानी में पड़ते हुए कालिदास ने पूछा, अरे बहन। इतने सारे पाप बताती हैं आप, तो आखिर इन घड़ों में है क्या? स्त्री बोली, शराब, वह शराब ही उन सभी पापों की जननी है। जो शराब पीता है, वह व्यक्ति इन आठ पापों का शिकार हो जाता है। कालिदास उस स्त्री की चतुराई को देखकर दंग रह गए।

सामयिक

लोकतंत्र विश्वास से चलता है, आरोपों से नहीं

सोनम लववंशी

मोबाइल : 70008 54500

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती उसकी संस्थाओं की संरचना में नहीं, बल्कि उस भरोसे में है, जिसके आधार पर मतदाता मतदान केंद्र तक पहुँचता है और अपने निर्णय से सत्ता की दिशा बदल देता है। यह भरोसा वर्षों की परंपरा, संघर्षों, आंदोलनों और संवैधानिक विकास की धारा से निर्मित हुआ है। इसलिए जब चुनावों के बाद बार-बार यह कहा जाने लगे कि और कुछ विपक्षी दलों द्वारा यह कथा बार-बार दोहराई गई है कि चुनावों में हार इसलिए हुई क्योंकि मतदान मशीनों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, चुनाव आयोग स्वतंत्र नहीं है, और संस्थाएँ सत्ता के दबाव में हैं। यह तर्क सतह पर आकर्षक और भावनात्मक है क्योंकि इससे हार का भार नेतृत्व या नीतिगत त्रुटियों पर नहीं, बाहरी कारणों पर डाल दिया जाता है। परंतु चुनावों का वास्तविक विश्लेषण बताता है कि भारतीय मतदाता परिणामों को बहुत तेजी से बदल देता है, और इस बदलाव को मशीन या साज़िश के आधार पर व्याख्यायित नहीं किया जा सकता।

यहाँ समस्या केवल बयानबाज़ी की नहीं है, बल्कि उस मानसिकता की है जहाँ हार को स्वीकारने में संकोच होता है। लोकतंत्र में जीत और हार दोनों राजनीतिक दलों की यात्रा का अंग हैं। पराजय का अर्थ यह नहीं कि जनता भ्रमित थी; इसका अर्थ है कि जनता ने इस बार दूसरे को अधिक योग्य माना। इसे स्वीकारना एक राजनीतिक परिपक्वता है। अब बात आती है युवाओं और 'जेन-ज़ी' को यह संदेश देने की कि तुम्हारा भविष्य तुमसे छीना जा रहा है।

वोट चोरी हो गए, जनादेश छीना गया, या परिणाम साज़िश का हिस्सा हैं, तो यह आरोप केवल किसी एक दल या प्रक्रिया पर नहीं लगते। ये आरोप सीधे-सीधे जनता की निर्णय क्षमता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर खड़े होते हैं। हाल के वर्षों में राहुल गांधी, कांग्रेस

पिछले दस वर्षों में ही देखें, तो दिल्ली में दो बार आम आदमी पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला, पंजाब में कांग्रेस सत्ता में आई और बाद में वही पंजाब आम आदमी पार्टी ने जीत लिया, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने अपेक्षा से कहीं अधिक बढ़त ली, जबकि केरल में वाम मोर्चा लगातार सत्ता में लौटा, तमिलनाडु में डीएमके जीती, और तेलंगाना में हाल ही में कांग्रेस की वापसी हुई। इन सभी राज्यों में वही ईवीएम चलीं, वही चुनाव आयोग था, वही तंत्र। यदि मशीनें पक्षपाती होतीं, तो परिणामों में इतनी विविधता और सत्ता-परिवर्तन संभव ही नहीं होता।

ऐसे में यह तथ्य अपने आप में वोट-चोरी की कथा को खारिज कर देता है। इसी प्रकार, 2018 में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता में आई थी। उस समय राहुल गांधी ने यह नहीं कहा कि ईवीएम ठीक नहीं थीं। उसी मध्य प्रदेश में भाजपा का कुल वोट प्रतिशत कांग्रेस से अधिक था, लेकिन कुछ सीटों पर मामूली अंतर ने सरकार बदल दी। तब यह कहा गया कि जनता ने परिवर्तन की इच्छा जताई है, लोकतंत्र ने अपनी शक्ति सिद्ध की है। यह रुख परिपक्व था। परंतु जब वही अंतर विपरीत स्थिति में कांग्रेस के विरुद्ध जाता है, तो वही परिणाम अचानक षड्यंत्र या वोट चोरी कैसे हो जाते हैं?

यहाँ समस्या केवल बयानबाज़ी की नहीं है, बल्कि उस मानसिकता की है जहाँ हार को स्वीकारने में संकोच होता है। लोकतंत्र में जीत और हार दोनों राजनीतिक दलों की यात्रा का अंग हैं। पराजय का अर्थ यह नहीं कि जनता भ्रमित थी; इसका अर्थ है कि जनता ने इस बार दूसरे को अधिक योग्य माना। इसे स्वीकारना एक राजनीतिक परिपक्वता है। अब बात आती है युवाओं और 'जेन-ज़ी' को यह संदेश देने की कि तुम्हारा भविष्य तुमसे छीना जा रहा है। यह कथन दरअसल भावनात्मक है और स्वभावतः युवाओं पर प्रभाव डालता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में भारतीय लोकतंत्र युवा अवसरों को सीमित कर रहा है? भारत में आज युवा उद्यमिता, शिक्षा, कौशल और रोजगार पर बहस का दायरा बढ़ा है। युवा राजनीतिक रूप से पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और सक्रिय हैं। उन्हें नेतृत्व जगाने की आवश्यकता है, उकसाने की नहीं। उन्हें यह बताना कि व्यवस्था ही उनकी विपक्षी है, उनके भीतर अविश्वास और टकराव की प्रवृत्ति पैदा करता है, जो लोकतंत्र के लिए भी और समाज के लिए भी घातक हो सकता है।

चुनाव वह प्रक्रिया है जिसमें मतदाता को पूरा अधिकार है, कि वो असंतोष, नाराज़गी या समर्थन व्यक्त करे। भारतीय मतदाता आज भावनात्मक नहीं, अनुभवजन्य वोट देता है। वह सड़क, बिजली, सुरक्षा, आजीविका और जीवन की गुणवत्ता के आधार पर निर्णय लेता है। ऐसे मतदाता को यह कहना कि उसका दिया गया जनादेश धोखा है। उसकी बौद्धिक क्षमता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा है। यह सही है कि लोकतंत्र में संस्थाओं की समीक्षा होनी चाहिए। आलोचना आवश्यक है।

सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए प्रश्न उठाने चाहिए। लेकिन आलोचना और अविश्वास दो भिन्न चीजें हैं। आलोचना सुधार की ओर ले जाती है, अविश्वास व्यवस्था को अंदर से खोखला करता है। और यदि लोकतंत्र में अविश्वास के बीज बो दिए जाएँ, तो अंततः हार किसी दल को नहीं जनता को होती है। इसलिए यह आवश्यक है कि राजनीतिक नेतृत्व यह समझे कि चुनाव लोकतंत्र का अंत नहीं, केवल चरण है। हार-जीत बदलती रहती है। कोई भी सत्ता स्थायी नहीं है। पर जनता पर से विश्वास हट जाए तो लोकतंत्र केवल इमारत बनकर रह जाता है, जिसमें जीवन नहीं होता। भारतीय लोकतंत्र की असली शक्ति वह मतदाता है, जो हर चुनाव में यह संकेत देता है सत्ता जनता की है, और जनता जब चाहे दिशा बदल सकती है। यही सत्य है, यही संतुलन है, और यही इस देश की सबसे बड़ी राजनीतिक स्थिरता भी।

चिंतन

अरबों डॉलर का है कुत्तों के बाजार का अर्थशास्त्र

हरीश शिवनानी

मोबाइल : 9829210036

भारतीय समाज और मीडिया में पिछले तीन महीनों से कुत्ते चर्चा में छाए हुए हैं। यह पहली बार है कि समाचार-पत्रों के मुखपृष्ठों और टीवी के प्राइम टाइम में नेताओं के बराबर ही कुत्तों को जगह मिली है। कृपया मुझे गलत न समझें, मेरा इरादा इनका तुलनात्मक अध्ययन नहीं है। दरअसल इंसानों की तरह ही कुत्तों की भी नस्लें होती हैं, इनमें भी वर्ग-भेद होता है। कुछ खुशनसीब एलीट होते हैं तो अधिकांश वंचित वर्ग यानी गली-कूचों में पलने वाले, जिन्हें गली का 'आवारा कुत्ता' यानी 'स्ट्रे डॉग' कहा जाता है। पिछले लंबे समय से आवारा कुत्तों की बढ़ती हिंसक घटनाओं के कारण सात नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इंसानी जानें पशुओं से ऊपर हैं' बताते हुए उन्हें सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, बस-रेलवे स्टेशनों, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, हाईवे और एक्सप्रेस वे से हटा कर इन्हें शेल्टर होम्स में भेजने के निर्देश हैं। आवारा कुत्तों से अलग हटकर बात की जाए तो वैश्विक स्तर पर कुत्तों का 'अर्थशास्त्र' या 'डॉग इकोनॉमी' पेट केयर इंडस्ट्री का एक प्रमुख हिस्सा है, जो कुत्तों से जुड़े उत्पादों, सेवाओं और बाजार से जुड़ी है। जिसमें भोजन, ग्रूमिंग, स्वास्थ्य सेवा और सामान शामिल हैं। 2024 में वैश्विक 'पेट बिजनेस इंडस्ट्री' का आकार 360 बिलियन डॉलर से अधिक हो चुका है। यह इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2025 में ही लगभग 273.42 अरब डॉलर का बिजनेस अनुमानित है, जिसमें कुत्तों से जुड़े उत्पाद और सेवाएं 40-50 फ़ीसदी हिस्सा रखती हैं, ये आंकड़े वैश्विक बाजार के हैं जिनमें कुत्ते पेट सबसे बड़े सेगमेंट (लगभग 50 प्रतिशत) हैं। कुत्तों से जुड़े कारोबार के अनेक आयाम हैं। अमेरिकन पेट प्रोडक्ट्स एसोसिएशन के अनुसार खाना और ट्रीट्स सबसे बड़ा सेगमेंट है। प्रीमियम, ऑर्गेनिक और स्पेशल डाइट वाले उत्पाद लोकप्रिय हैं। इसका अनुमानित कारोबार 42.59 अरब डॉलर है। सामान्य खाने जिसमें चिकन, मीट, ब्रेडसब्ज़ियाँ और अनाज आदि होते हैं, उनका कुल बाजार 158.42 अरब डॉलर का है। सप्लाईज, खिलौने और एक्सेसरीज को ही लें, इसमें कॉलर, लीड, बेड, खिलौने, कपड़े और ट्रेनिंग प्रोडक्ट्स शामिल हैं। पेट केयर और वैक्सीन, दवाएं और हेल्थ प्रोडक्ट्स का कारोबार 39.8 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

कुत्तों के साज-श्रृंगार के लिए विशेष आउटलेट्स भी बहुत आम हो चुके हैं। इन्हें 'डॉग ग्रूमिंग सैलून', 'पेट स्पा' या 'मोबाइल ग्रूमिंग सर्विस' कहा जाता है। इस फ़ील्ड में अब उच्च शिक्षित युवा गंभीरता से आगे आ रहे हैं। क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर की होने वाली बहू सानिया चंडोक ने मुंबई में प्रीमियम पेट स्पा सेंटर खोला है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई करने के बाद अर्जुन तेंदुलकर की मंगेतर सानिया मिस्टर पॉज़' की फाउंडर बन चुकी हैं जो एक प्रीमियम पेट सैलून एंड स्पा सेंटर है। जहां फर वाले पालूत जानवरों यानी कुत्ते और बिल्ली को लक्जरी सुविधाएं मिलती हैं।

यहां इन जानवरों की हेयर कटिंग और स्पा के अलावा शैम्पू, दवाइयां, विटामिन सप्लिमेंट्स, खाने-पीने के सामान के साथ-साथ खिलौने और यहां तक कि कपड़े भी मिलते हैं। भारत में कुत्तों से जुड़े उत्पादों का वैश्विक सालाना कारोबार 2025 में 100 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, जो 2030 तक 150 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। वैश्विक स्तर पर ये बाजार 2025 में 7.26 अरब डॉलर का है और अमेरिका, यूके, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में हजारों ऐसे सैलून हैं। भारत में भी दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों में पेट स्पा बढ़ रहे हैं। अब तो पेट्स का बीमा भी होने लगा है। पेट इंश्योरेंस इंडस्ट्रीज के मुताबिक इस बाजार के 2025 तक 80 लाख डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। प्रौद्योगिकी के तहत स्मार्ट कॉलर, जीपीएस ट्रैकर और पालतू जानवरों के लिए ऐप जैसी तकनीकें भी इस उद्योग में शामिल हो चुकी हैं। इसके साथ ही देश में पालतू जानवरों के प्रशिक्षण और बोर्डिंग सर्विस भी बड़ा बिजनेस बनती जा रही है।

यह तो हुई एलीट क्लास कुत्तों से जुड़े कारोबार की बात। अब महत्वपूर्ण है, कुत्तों से जुड़ी प्रमुख बीमारियां और उनसे जुड़े फार्मास्यूटिकल बिजनेस की चर्चा, जो कंपनियों को सालाना अरबों डॉलर का राजस्व देती हैं। वैश्विक पशु चिकित्सा (वेटरनरी) फार्मा इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा है, जो 2025 में कुल 47.25 अरब डॉलर का बाजार है। इसमें कुत्तों से जुड़ी बीमारियां जैसे वैक्सीन, पैरासाइट कंट्रोल और कैंसर ट्रीटमेंट प्रमुख हैं। कुत्तों की कुछ बीमारियों की दवा और इलाज से कंपनियों को बड़ा बिजनेस मिलता है। इनमें मुख्य हैं रैबीज। वैश्विक पशु रैबीज वैक्सीन बाजार 2025 में लगभग 500 मिलियन डॉलर का है, जो 2030 तक 1.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। पश्चिमी और यूरोप की अनेक नामी कंपनियां रैबीज वैक्सीन से ही सालाना अरबों रुपए कमाती हैं। वैश्विक हार्टवर्म ट्रीटमेंट बाजार भी 2025 में 1.55 अरब डॉलर पहुंच चुका है, जो पेट डीज़ीज़ बिजनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार 2034 तक 2.85 अरब डॉलर हो जाएगा। इनके अलावा कुत्तों में फ्ली और टिक इन्फेस्टेशन, पैरावायरस,लिम्फोमा, मेलानोमा जैसी कैंसर आम बीमारियां हैं। कंपैनियन एनिमल फार्मा में कैंसर ट्रीटमेंट हाई-ग्रोथ सेगमेंट, कुल वेटरनरी मार्केट 49.96 अरब डॉलर का है। दुनिया के कई देशों में स्ट्रे डॉग्स की आबादी नियंत्रित करने, रोगों से बचाव और पशु कल्याण के लिए सरकारी स्तर पर नसबंदी कार्यक्रम भी लागू किया जाता है। पूरी दुनिया मे इसके लिए करोड़ों डॉलर का बजट होता है। भारत में स्ट्रे डॉग्स की नसबंदी के लिए 2025-26 में करीब 150 करोड़ का बजट है।

नजरिया

हादसों से बचाव का सन्देश देता है परिवहन दिवस

बाल मुकुंद ओझा

मोबाइल : 8949519406

अंतर्राष्ट्रीय परिवहन दिवस 10 नवंबर को मनाया जाता है। परिवहन केवल यातायात का साधन नहीं है, बल्कि यह सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दिन का उद्देश्य है लोगों को सार्वजनिक परिवहन के लाभों के प्रति जागरूक करना ताकि हम सब एक स्वच्छ, सुलभ और सतत परिवहन प्रणाली की दिशा में कदम बढ़ा सकें। परिवहन दिवस प्रदूषण के साथ सड़क हादसों से बचाव का सन्देश देता है। हमारे देश में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होते है। देश में सड़क हादसों में 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। देश और दुनिया में परिवहन के साधन बढ़ने के साथ ही कई तरह की व्यवस्थाएं भी बिगड़ रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आज के दिन लोगों को यातायात से जुड़े नियमों के बारे में जानकारी दी जाती है। यातायात नियमों और दुर्घटनाओं, निजी वाहनों के उपयोग के परिणामों, सार्वजनिक परिवहन का सख्ती के साथ उपयोग किये जाने की जरुरत है। भारत में सड़क परिवहन की शुरुआत रेल परिवहन से बहुत पहले ही हो गई थी। निर्माण और रखरखाव के मामले में रेल की तुलना में सड़कें बेहतर साबित होती हैं। देश के आर्थिक जीवन में परिवहन का अत्यधिक महत्व होता है। वर्तमान प्रणाली में यातायात के अनेक साधन, जैसे-रेल, सड़क, वायु परिवहन इत्यादि शामिल हैं। सड़कों का देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। सड़कों का आधारभूत ढांचा हमारी अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ आधार है। भारत के परिवहन क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 5.5 प्रतिशत का योगदान है । इनमें सड़क परिवहन का हिस्सा लगभग 5 प्रतिशत है।

दुनिया भर के बहुत से देशों में सड़कों पर वाहनों की निरंतर बढ़ती संख्या परिवहन प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है। हमारा देश भारत भी इस समय परिवहन प्रदूषण की विभीषिका से जूझ रहा है। सड़कों का आधारभूत ढांचा हमारी अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ आधार है। सड़कें हमारे परिवहन का मुख्य साधन हैं। जहाँ हर रोज हमारे लाखों व्यवसायिक और निजी वाहन सरपट सड़कों पर दौड़ते हैं। सड़क परिवहन ने सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। सड़क परिवहन के विस्तार को जहां परिवहन के विकास से जोड़कर देखा जाता है, वहीं पर्यावरण पर इसके दुष्प्रभाव भी किसी से छिपे नहीं हैं। परिवहन के साधनों के तीव्र विकास के साथ प्रदूषण जैसे दुष्परणाम को भी हम भुगत रहे है। हमें परिवहन से हो रहे प्रदूषण को रोकने पर ध्यान देना होगा। देश में कुल वायु प्रदूषण का लगभग 40 प्रतिशत सड़क यातायात के कारण होता है और इसलिए देश में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है। सार्वजनिक परिवहन न केवल हमारी यात्रा को सुगम बनाता है, बल्कि हमारे शहरों और पर्यावरण को भी एक नई दिशा देता है।

भारत 140 करोड़ लोगों का देश है और मोटर वाहनों या ऑटोमोबाइल का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। ये वाहन या तो पेट्रोल या डीजल से संचालित होते हैं, पर्यावरण और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को बेहद प्रभावित करते हैं। आमतौर पर कार से निकलने वाले प्रदूषक तत्व वातावरण में ग्रीनहाउस उत्सर्जन के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक हैं। आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के डर से गुजर रही है और इसका सबसे बड़ा कारण वाहन प्रदूषण का बढ़ता स्तर है जिस पर हम सभी को शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता है। सड़क पर वाहनों की बढ़ती संख्या के साथ वाहन प्रदूषण के प्रभाव दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। वाहन प्रदूषण के प्रभाव पृथ्वी पर रहने वाले प्राणियों को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं और स्वास्थ्य संबंधी बहुत सारी समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

परिवहन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवहन के कारण ही कच्चा माल कारखानों तक पहुँच पाता है और उत्पाद ग्राहकों तक पहुँच पाते हैं। परिवहन से हमारा आशय यात्रियों एवं वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने ले जाने से है। परिवहन के साधन किसी देश के उद्योग व कृषि के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसी भी देश में परिवहन तंत्र की सघनता और आधुनिकता वहाँ के आर्थिक विकास का संकेत है। भारत एक विशाल देश है, जिसमें प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक व अन्य विविधताएँ पाई जाती है। इन विविधताओं को एकता के सूत्र में बांधने में परिवहन साधनों का विशेष योगदान है। परिवहन के माध्यम से ही कृषि तथा औद्योगिक उत्पादन उपभोक्ताओं तक पहुँचते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हैं 16 लाख से अधिक बाल मजदूर

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 16 लाख से अधिक बच्चे बालश्रम में लगे हुए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल के एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए रविवार को यह जानकारी दी।

सिंध के श्रम महानिदेशक सैयद मुहम्मद मुर्तजा अली शाह ने बताया कि पांच से 17 वर्ष तक के बच्चों की सुरक्षा के लिए कानूनों को अद्यतन करने और लागू करने के सरकार के प्रयासों के बावजूद बाल श्रम देश में एक बड़ी समस्या बनी हुई है। जुलाई-अगस्त में यूनिसेफ और सांख्यिकी ब्यूरो की तकनीकी सहायता से उनके विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला कि प्रांत में 16 लाख से अधिक (5-17 वर्ष की आयु के 10.3 प्रतिशत) बच्चे बाल श्रम में लगे हुए हैं। शाह ने कहा, अन्य प्रांत भी अब बाल श्रम पर नए सर्वेक्षण कर रहे हैं लेकिन सिंध में हमने पाया कि लगभग आठ लाख बच्चे (10-17 वर्ष की आयु के 50.4 प्रतिशत) खतरनाक और शोषणकारी परिस्थितियों में काम कर रहे हैं।'' सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि केवल 40.6 प्रतिशत कामकाजी बच्चे ही स्कूल जाते हैं, जबकि गैर-कामकाजी बच्चों में यह प्रतिशत 70.5 है।

कंबर शाहदादकोट जिले में सबसे ज्यादा 30.8 प्रतिशत बाल श्रम है, उसके बाद थारपारकर में 29 प्रतिशत, टांडो मुहम्मद खान में 20.3 प्रतिशत और शिकारपुर में 20.2 प्रतिशत है। कराची में यह दर सबसे कम 2.38 प्रतिशत है।

शाह ने कहा कि प्रांतीय सरकार कानूनों को अद्यतन करने, बाल श्रम की अवैधताओं के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए परियोजनाओं को बढ़ाने और यहां तक कि बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्यस्थलों पर छापे मारने पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने इस समस्या को कम करने और ख़त्म करने के लिए एक विशेष बल का भी गठन किया है।

सर्वेक्षण के अनुसार, 1996 (जब यह प्रतिशत 20.6 था) के बाद से बाल श्रम में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई है। शाह ने कहा कि सरकार ने गरीबी से जूझ रहे परिवारों की सहायता के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं शुरू की हैं।

खरीदार न मिलने के कारण घाटे में चल रही 'श्रीलंकन एयरलाइंस' का पुनर्गठन होगा

कोलंबो/भाषा

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा है कि प्रबंधन नियंत्रण के लिए खरीदार न मिलने के बाद सरकार घाटे में चल रही राष्ट्रीय विमानन कंपनी श्रीलंकन एयरलाइंस का पुनर्गठन करेगी।

शुक्रवार को 2025 26 का बजट पेश करते हुए दिसानायके ने कहा, ''कोई खरीदार नहीं मिला हैं।'' उन्होंने यह टिप्पणी उन प्रयासों के संदर्भ में की जो पिछली सरकारों ने श्रीलंकन एयरलाइंस के प्रबंधन को सरकारी नियंत्रण से अलग करने के लिए किए थे।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा लगभग तीन अरब डॉलर के राहत पैकेज से जुड़ी सख्त शर्तों के कारण, राष्ट्रीय विमानन कंपनी का विनिवेश बेहद महत्वपूर्ण हो गया था। यह राहत पैकेज 2023 में उस समय दिया गया था, जब श्रीलंका अपने इतिहास में पहली बार समय पर विदेशी ऋण नहीं चुका पाया था।

दिसानायके ने कहा, ''हम अगले साल की शुरुआत तक इसके प्रबंधन का पुनर्गठन करेंगे। प्रबंधन को इस कार्य के लिए एक व्यावसायिक योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है।'' उन्होंने यह भी कहा कि सरकार दिसंबर के अंत तक विमानन कंपनी के पुनर्गठन को पूरा करने की उम्मीद कर रही है।

हालांकि बिना विस्तार में गए उन्होंने कहा, ''यदि पुनर्गठन असफल होता है, तो वैकल्पिक कदम उठाए जाएंगे।''

पूजा अर्चना

महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम की सदस्य रेणुका सिंह रविवार को शिमला के रोहड़ू स्थित हाटकोटी मंदिर में पूजा-अर्चना करती हुई।

'द फैमिली मैन 3' का ट्रेलर रिलीज, इस बार श्रीकांत तिवारी के हालात पहले से ज्यादा दिखे खतरनाक

मुंबई/एजेन्सी

चार साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार दर्शकों को खुशी मिली है। प्राइम वीडियो की सुपरहिट सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जैसे ही ट्रेलर सामने आया, सोशल मीडिया पर मनोज बाजपेयी का जादू एक बार फिर छा गया। राज और डीके के डायरेक्शन में बनी इस स्पाई थ्रिलर सीरीज का नया चैप्टर एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है। इसमें श्रीकांत तिवारी की निजी जिंदगी और उनके प्रोफेशनल संघर्षों के बीच का टकराव भी है। ट्रेलर की शुरुआत में मनोज बाजपेयी परिवार के आगे अपने रहस्य खोलते नजर आते हैं। वह बताते हैं कि वह एक एजेंट है, लेकिन परिवार का रिएक्शन बेहद नॉर्मल होता है, जिसे देख मनोज खुद चौंक जाते हैं। ट्रेलर पूरे 2 मिनट 49 सेकंड का है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, मनोज बाजपेयी के किरदार श्रीकांत तिवारी की जिंदगी में तनाव बढ़ता दिखाई देता है। माहौल गंभीर और रहस्यमय होता जाता है। इस बार श्रीकांत सिर्फ आतंकवादियों या साजिशों से नहीं, बल्कि अपनी ही एजेंसी से भागते नजर आते हैं। इस सीजन में हालात बदल चुके हैं। ट्रेलर में कई दमदार एक्शन सीक्वेंस हैं। नए सीजन में दो नए और बेहद ताकतवर दुश्मनों की एंट्री हुई है, जिनमें जयदीप अहलावत और निमरत कौर का नाम शामिल है। ट्रेलर में दोनों ही किरदारों की झलक बेहद प्रभावशाली है। जयदीप अहलावत की दमदार आवाज और डायलॉग्स उन्हें एक रहस्यमय और खतरनाक विलेन बनाते हैं। वहीं, निमरत कौर का किरदार कहानी में एक नया मोड़ लाता है, जो श्रीकांत की नौकरी के साथ-साथ परिवार की सुरक्षा के लिए भी खतरा साबित होता है।

इस सीजन के डायलॉग्स सुमित अरोड़ा ने लिखे हैं, जबकि कहानी राज, डीके और सुमन कुमार ने मिलकर तैयार की है। निर्देशन में इस बार सुमन कुमार और तुषार सेठ भी राज-डीके की टीम से जुड़े हैं। 'द फैमिली मैन सीजन 3' का प्रीमियर 21 नवंबर को प्राइम वीडियो पर होगा।

महारानी 4: इस बार लड़ाई सिर्फ बिहार की कुर्सी की नहीं, दिल्ली की सत्ता की है : निर्देशक पुनीत प्रकाश

नई दिल्ली/एजेन्सी

'महारानी 4' वेब सीरीज अब सोनी लिव पर रिलीज हो चुकी है। पिछले तीनों सीजन के मुकाबले इस सीजन में सत्ता, राजनीति और संघर्ष की कहानी और भी गहराई से दिखाई गई है। निर्देशक पुनीत प्रकाश ने कहा कि इस बार रानी भारती की लड़ाई सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि केंद्र से है। निर्देशक पुनीत प्रकाश ने कहा कि पहले तीन सीजन को दर्शकों का काफी प्यार मिला है। मुझे उम्मीद है कि सीजन 4 भी हिट रहेगा। इस बार दर्शकों को काफी कुछ अलग देखने को मिलेगा। इस सीजन में रानी भारती की टक्कर और भी बड़े और मजबूत विरोधियों से होगी। कहानी में इस बार संघर्ष सिर्फ बाहर की दुनिया तक सीमित नहीं, बल्कि घर के अंदर भी गहरी उलझनों और राजनीतिक खेलों के साथ चलती है। पुराने किरदारों की मजबूती और नए किरदारों की अनूठी पृष्ठभूमि दर्शकों को काफी पसंद आएगी। 'महारानी' वेब सीरीज के अंतिम दो सीजन का जब-जब टीजर या ट्रेलर आया, बिहार में सरकार बदल गई। अब महारानी 4 रिलीज हो गई है, वो भी ऐसे समय में जब बिहार में चुनाव चल रहे हैं। पुनीत प्रकाश ने इसे महज संयोग बताया और कहा कि हम ये नहीं कह सकते कि इसका कोई वास्तविक राजनीतिक संकेत है, लेकिन कहानी ऐसी लिखी गई है कि सत्ता हमेशा किसी न किसी रूप में हिलती रहती है। अगर इसका असर दर्शकों पर पड़ता है, तो वह उनकी जागरूकता और समझदारी है। पुनीत प्रकाश ने कहा कि पहले तीन सीजन के हिट होने के बाद निश्चित रूप से चौथे सीजन को बनाने में थोड़ा प्रेशर था, लेकिन यह प्रेशर पॉजिटिव था। पहले तीन सीजन इतने पसंद किए गए कि जिम्मेदारी और भी बढ़ गई। इस बार सोचना पड़ा कि कहानी को और गहराई दी जाए, किरदारों को नया आयाम मिले और दर्शक जुड़े रहें।

इस दौरान उन्होंने प्रोड्यूसर सुभाष कपूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सुभाष ने उन्हें इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुद्ध के अवशेषों के स्वागत के लिए भूटानी नेतृत्व की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत से ले जाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के श्रद्धापूर्ण स्वागत के लिए भूटान के लोगों और नेतृत्व की सराहना की और कहा कि उनकी (बुद्ध की) शिक्षाएं दोनों देशों के बीच एक पवित्र कड़ी हैं।

भारत से ले जाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का एक अंश शनिवार को थिम्पू के प्रमुख मठ ताशिछोदजोंग में स्थापित किया गया, जिसे भूटान की सर्वोच्च आध्यात्मिक और राजनीतिक संस्थाओं का केंद्र माना जाता है।

थिम्पू स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, वहां के मंत्री और केंद्रीय मठ निकाय के वरिष्ठ लोपेन भारत के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार के साथ प्रतिष्ठापन समारोह में शामिल

हुए। मोदी ने कहा, भारत से ले जाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के प्रति श्रद्धापूर्ण स्वागत के लिए भूटान के लोगों और नेतृत्व का हार्दिक आभार।'' प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को दो-दिवसीय यात्रा पर भूटान जाएंगे। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर कहा कि ये अवशेष शांति, करुणा और सद्भाव के शाश्वत संदेश के प्रतीक हैं। मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं भारत और भूटान की साझा आध्यात्मिक विरासत के बीच एक पवित्र कड़ी हैं।

थिम्पू स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को पारंपरिक चिपड़ेल जुलूस, प्रार्थना, समारोह और 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ ताशिछोदजोंग के ग्रैंड कुएनरे हॉल में स्थापित किया गया।

संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, इन अवशेषों को आठ से 18 नवंबर तक थिम्पू के ताशिछोदजोंग के कुएनरे हॉल में सार्वजनिक पूजा के लिए रखा जाएगा, जो भारत और भूटान के बीच गहरी आध्यात्मिक एकता का प्रतीक होगा।

ताशिछोदजोंग नामक एक किले और मठ के भीतर स्थित ग्रैंड कुएनरे सबसे प्रमुख हॉल में से एक है। इन्हें 'भगवान बुद्ध के पिपरहवा अवशेष' कहा जाता है और इन्हें नई दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में संरक्षित किया गया है।

खेसारी के 'पत्नी को बहन' बनाने वाले बयान पर रानी चटर्जी ने कसा तंज, कहा- हमेशा विक्टिम कार्ड प्ले करते हैं

नई दिल्ली/एजेन्सी

भोजपुरी क्वीन रानी चटर्जी अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। अब बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भोजपुरी स्टार और राजद उम्मीदवार खेसारी लाल यादव को खरी-खरी सुनाई है। रानी चटर्जी ने खेसारी द्वारा 'पत्नी' और 'बहन' को लेकर दिए बयान को विक्टिम कार्ड प्ले करना बताया है। रानी चटर्जी ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें खेसारी लाल यादव बिहार की सुरक्षा और रिश्तों पर बात कर रहे हैं। खेसारी कहते हैं, मैं अपनी पत्नी से घर में बहुत प्यार भी करता हूं, लेकिन जब बाहर जाता हूं, तो एक भाई की तरह जाता हूं कि इस बहन की सुरक्षा करनी है।सिंगर के इस बयान को बहुत वायरल किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर मीम्स भी बनने शुरू हो चुके हैं।

इसी बयान वाले वीडियो को री-पोस्ट कर रानी चटर्जी ने खेसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा, मतलब पति बनकर आप सुरक्षा नहीं कर सकते? क्या बकवास है, हे भगवान, ये सब क्या सुनना पड़ रहा है। खेसारी जी, मतलब कितनी बकवास। इन्हें कोई अच्छा सलाहकार दे दिया जाए, जो इनको बता सके कि इंटरव्यू में क्या बोलना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, ये हमेशा विक्टिम कार्ड प्ले करते हैं।

इससे पहले इसी बयान को लेकर पवन सिंह भी खेसारी को आड़े हाथ ले चुके हैं। उन्होंने मीडिया के सामने कहा था कि खेसारी लाल यादव की कोई गारंटी नहीं है, कब बीवी को बहन बना लें और कब बहन को बीवी बना लें। बता दें कि रानी चटर्जी और खेसारी लाल यादव एक समय पर बहुत अच्छे को-स्टार हुआ करते थे, लेकिन दोनों के बीच विवाद की खबरें आईं और दोनों ने स्क्रीन पर साथ दिखना बंद कर दिया। रानी ने खेसारी और आकांक्षा पुरी के जिम वीडियो को भी रोस्ट किया था और कहा था कि ऐसे जिम कौन करता है? जिम तो हर कोई करता है, लेकिन ऐसा आज तक नहीं देखा। इसके साथ ही रानी चटर्जी नई फिल्मों की शूटिंग में भी बिजी हैं। उन्होंने हाल ही में 'यूपी वाली बिहार वाली' फिल्म की शूटिंग शुरू की है। उन्होंने फिल्म के सेट से पूजा-पाठ की वीडियो भी पोस्ट की थी।

सोनम खान ने खुशी का 'राज' किया बेपर्दा, कहा- 'आजाद रहो और अपने फैसले खुद लो'

मुंबई/एजेन्सी

कई फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी अभिनेत्री सोनम खान ने शनिवार को खुशी के पीछे के रहस्य को उजागर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट तस्वीरों के साथ लिखा, अगर आप सच में खुश रहना चाहते हैं, तो आपको आजाद रहना होगा और अपने फैसले खुद लेने पड़ेंगे। अभिनेत्री की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। सोनम ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया, लेकिन जल्द ही सिनेमा छोड़ भी दिया था। उन्होंने करियर की शुरुआत 1987 में तेलुगु फिल्म से की थी, लेकिन उन्हें पहचान 'तिरछी टोपी' गाने से मिली थी। अभिनेत्री ने साल 1988 में फिल्म 'विजय' से बॉलीवुड में कदम रखा था।

इसके बाद उन्होंने 'त्रिदेव', 'अजूबा', और 'विश्वात्मा' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, अपने करियर के शिखर पर 1991 में उन्होंने निर्देशक राजीव राय से शादी करने के बाद इंडस्ट्री छोड़ दी थी। सोनम खान ने पहली शादी 18 साल की उम्र में डायरेक्टर राजीव राय से मंदिर में की थी। इसके बाद सोनम ने हिंदू धर्म अपना लिया। राजीव राय ने बतौर डायरेक्टर, स्क्रीनराइटर और फिल्म एडिटर काम किया और युद्ध, मोहरा, त्रिदेव जैसी फिल्में डायरेक्ट कीं, जिनमें से एक में सोनम ने काम किया।

राजीव और सोनम का एक बेटा है, जिसका नाम गौरव है। 2016 में राजीव और सोनम अलग हो गए थे। बाद में राजीव ने मुंबई छोड़कर ब्रिटेन जाने का फैसला किया। वहीं, सोनम मुंबई में ही रहने लगीं। राजीव राय मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर गुलशन राय के बेटे हैं। उन्होंने दीवार और मोहरा जैसी फिल्में प्रोड्यूस की हैं। गुलशन राय का जन्म पाकिस्तान में हुआ था और बंटवारे के बाद वे परिवार के साथ भारत आ गए और बतौर फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर काम शुरू किया। उन्होंने 1970 में 'त्रिमूर्ति फिल्म्स' की स्थापना की थी।

मोटापे पर पूछे गए सवाल पर भड़की एक्ट्रेस गौरी जी. किशन

मुंबई/एजेन्सी

साउथ फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस गौरी जी. किशन सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म 'अदर्स' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसके चलते वह फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं, जहां पर उनसे एक यूट्यूबर ने कुछ ऐसा पूछ लिया, जिसे सुन वह आगबबूला हो गईं और करारा जवाब दिया। इस मामले में फैंस और स्टार्स उनके सपोर्ट में उतर आए हैं और ऐसे सवाल पूछे जाने की निंदा कर रहे हैं। दरअसल, विवाद तब खड़ा हो गया जब एक यूट्यूबर ने गौरी के सह-कलाकार आदित्य माधवन से उनके वजन का हवाला देते हुए पूछा कि क्या किसी सीन के दौरान उन्हें उठाना मुश्किल था।

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए आईएएनएस से गौरी जी. किशन ने कहा, मेरे खिलाफ की गई यह एक बेहद घटिया टिप्पणी थी, जिसका फिल्म या मेरे प्रमोशन से कोई लेना-देना नहीं था। यह सिर्फ मेरा आत्मविश्वास कम करने और मेरे आत्म-सम्मान को कम करने के लिए किया गया था।

यह एक मजाक के तौर पर किया गया था, और पिछले हफ्ते हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी ने इस पर हंसी उड़ाई थी।इस मामले में गौरी के सपोर्ट में खुशबू सुंदर, ऋचा चड्ढा और चिन्मयी श्रीपदा जैसे कलाकार सामने आए और ऐसे सवालों की निंदा की।

एक्ट्रेस की बात करें तो गौरी जी. किशन लंबे वक्त से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, हालांकि उन्होंने अभी कोई भी हिंदी फिल्म नहीं की है। उन्होंने 2018 में तमिल फिल्म '96' से फिल्मी दुनिया में एंट्री की। इस फिल्म में उन्होंने एक्ट्रेस त्रिशा के किरदार जानू के बचपन का रोल निभाया था। यह रोल छोटा जरूर था, लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

फिल्म की सफलता के बाद उन्हें मलयालम और तेलुगु फिल्मों से कई ऑफर मिले। 2019 में गौरी ने मलयालम सिनेमा में 'मार्गमकली' से डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने बिबिन जॉर्ज के साथ काम किया।इसके बाद उन्होंने तेलुगु रीमेक 'जानू' में वही किरदार निभाया। इस फिल्म के जरिए उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी अपनी जगह बनाई। वह कई शानदार फिल्मों में नजर आईं, जिनमें 'मास्टर', 'कर्णन' और 'श्रीदेवी शोभन बाबू' जैसी फिल्में शामिल हैं। 'कर्णन' में उन्होंने अभिनेता धनुष के साथ स्क्रीन शेयर की और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई। गौरी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। वे तमिल वेब सीरीज 'कागज का रॉकेट' और 'सुजल: भंवर' में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कुछ म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है।

आबकारी विभाग ने मलयालम फिल्म से जुड़े निर्देशकों से जुड़े मादक पदार्थ मामले में आरोपपत्र दायर किया

कोच्चि। केरल में आबकारी विभाग ने सिनेमैटोग्राफर और निर्देशक समीर ताहिर के अपार्टमेंट से 1.6 ग्राम हाइब्रिड गांजा जब्त किए जाने के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक आबकारी अधिकारी ने बताया कि ताहिर और मलयालम फिल्म निर्देशक खालिद रहमान और अशरफ हमजा समेत चार लोग इस मामले में आरोपी हैं। उन्होंने कहा कि चौथा आरोपी उनका दोस्त शाली मोहम्मद है। आबकारी अधिकारियों ने बताया कि आरोपपत्र बृहस्पतिवार को कोच्चि की एक अतिरिक्त जिला सत्र अदालत में दाखिल किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग ने पाया कि फ्लैट में मादक पदार्थों का इस्तेमाल किया गया था, और यह बात ताहिर को मालूम थी। अधिकारी ने बताया कि कथित तौर पर मादक पदार्थ की आपूर्ति करने वाले मुख्य व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

सुलक्षणा पंडित को जितनी शोहरत और पहचान मिलनी चाहिए थी, उतनी नहीं मिल पाई- पूनम ढिल्लों

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की सत्तर और अस्सी के दशक में अपनी खूबसूरती, मधुर आवाज और बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली दिग्गज अभिनेत्री और गायिका सुलक्षणा पंडित का निधन हो गया। उन्होंने गुरुवार को मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। अभिनेत्री का अंतिम संस्कार मुंबई में किया गया, जहां फिल्म जगत के कई जाने-माने कलाकार उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से विदाई दी। इस मौके पर बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री पूनम ढिल्लों भी पहुची। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी भावनाएं साझा की और कहा, ''सुलक्षणा एक बेहतरीन अभिनेत्री और अद्भुत गायिका थीं। उन्होंने अपने जीवन में बहुत मुश्किलों का सामना किया। शुरुआती दिनों में सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा था, लेकिन धीरे-धीरे उनकी हालत बदतर होती चली गई।'' पूनम ढिल्लों ने कहा कि सुलक्षणा को जितनी शोहरत और पहचान मिलनी चाहिए थी, उतनी नहीं मिल पाई, जबकि उनके अंदर असाधारण प्रतिभा थी।

पूनम ने आगे कहा, ''सुलक्षणा के परिवार ने, खासकर उनकी बहन विजयता पंडित और भाइयों जतिन-ललित ने, उनके आखिरी दिनों तक उनकी अच्छे से देखभाल की।''पूनम ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मैं हमेशा विजयता से कहती रही हूं कि भगवान हर किसी को तुम्हारे जैसी बहन दे।

मैं बस यही प्रार्थना करती हूं कि सुलक्षणा जहां भी हों, उन्हें शांति मिले।'' सुलक्षणा की बात करें तो उनका जन्म संगीत से जुड़े परिवार में हुआ था। वे मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की भतीजी थीं। उनके परिवार में कला और संगीत का माहौल शुरू से था। उनकी बहन विजयता पंडित ने भी फिल्मों में अभिनय किया, और उनके भाई जतिन-ललित हिंदी सिनेमा की मशहूर संगीतकार जोड़ी बने। सुलक्षणा ने अपने करियर की शुरुआत गायिका के रूप में की थी। उनका पहला लोकप्रिय गाना 1967 में आई फिल्म तकदीर का 'सात समंदर पार से' था, जिसे उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया था। इस गाने ने उन्हें पहचान दिलाई और संगीत जगत में उनकी जगह मजबूत की।

गायन के बाद उन्होंने अभिनय की ओर रुख किया और 1975 में फिल्म 'उलझन' में अहम किरदार निभाया। इसके बाद वह 'हेरा फेरी', 'वक्त की दीवार', 'अपनापन', और 'खानदान' जैसी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने अपने समय के दिग्गज कलाकारों राजेश खन्ना, जितेंद्र, विनोद खन्ना, शशि कपूर और शत्रुघ्न सिन्हा के साथ काम किया। अपने अभिनय के साथ-साथ उन्होंने गायकी में भी योगदान जारी रखा और 1976 में फिल्म 'संकल्प' के गीत 'तू ही सागर तू ही किनारा' के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

स्मृति शेष — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शंकर नाग ऑटो चालक संघ द्वारा मैसूर रोड गोपालन मॉल के निकट प्रख्यात अभिनेता 'ऑटोराजा' शंकरनाग के जन्मदिवस को चालक दिवस' के रूप में मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत संघ व पदाधिकारियों ने शंकर नाग की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके कर्नाटक सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। मुणोत ने ऑटो चालकों को गणवेश वितरित किए। सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बन्नरघट्टा तेरापंथ सभा की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

मुनिश्री पुलकित कुमार ने संगठन विकास के सूत्र बताए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नवगठित तेरापंथ सभा बन्नरघट्टा की नई कार्यकारिणी समिति के शपथ ग्रहण समारोह व प्रथम दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन एक सभागार में डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी और आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में किया गया। बन्नरघट्टा सभा के नवनियुक्त अध्यक्ष राजकुमार कोटेचा ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया। इस मौके पर बन्नरघट्टा सभा के उपाध्यक्ष संतोष गोठी, गांधीनगर सभा के बहादुर सेठिया, टीपीएफ बेंगलूरु सेन्ट्रल पीयूष डागा, उपासिका उर्मिला सुराणा, कन्हैयालाल खटेड़, कोषाध्यक्ष छत्तर सिंह सेठिया और राकेश कोटेचा ने अपने विचार व्यक्त किए। मुनि आदित्य कुमार जी ने सभा की सराहना करते हुए एक गीत प्रस्तुत किया।मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा कि संगठन की सफलता इसी में होती है कि हर कार्यकर्ता की अहमियत को समझना। धुन के धनी बने बिना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य नहीं होता। मुनिश्री ने आगे कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए ईर्ष्या वृत्ति से दूर रहना चाहिए तभी संगठन मजबूत बनता है। उन्होंने सभा के कार्यकर्ताओं को आध्यात्मिक प्रवृत्ति के लिए प्रेरणा प्रदान करते हुए भवन निर्माण के महत्व पर जोर दिया। नवनियुक्त सचिव दिलीप खटेड़ ने विभिन्न जानकारियां देते हुए तेरापंथ भवन निर्माण संबंधी आगामी योजना बताई। तेरापंथ सभा गांधीनगर के पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया ने बन्नरघट्टा सभा के अध्यक्ष राजकुमार कोटेचा को शपथ ग्रहण करवाई। इसके पश्चात अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी समिति के लगभग 200 सदस्यों को शपथ दिलवाई। इस अवसर पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपासक बिनोद कोठारी ने किया। बिपुल दुगड़ ने धन्यवाद दिया। तेरापंथ सभा की तरफ से आगंतुक अतिथियों का सम्मान किया गया।

डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम की छठी वर्षगांठ मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम का छठा वर्षगांठ समारोह अभातेयुप संगठन मंत्री रोहित कोठारी की अध्यक्षता में हुआ। तेयुप राजाजीनगर के अध्यक्ष जितेश दक ने सभी का स्वागत करते हुए सेन्टर की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। संचालन करते हुए मंत्री अनिमेष चौधरी ने परिषद को मिले सम्मान के बारे में विस्तार से बताया तथा सभी को धन्यवाद दिया। अभातेयुप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी ने एटीडीसी के विस्तारीकरण एवं नए सेन्टर के लिए प्रयासरत रहने की बात कही। इस मौके पर विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। एटीडीसी के संयोजक राजेश देरासरिया ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर एटीडीसी के प्रायोजक परिवारों का सम्मान किया गया। उपाध्यक्ष जयंतीलाल गांधी ने धन्यवाद दिया।

संतश्री ज्ञानमुनि का आगामी चातुर्मास हीराबाग में होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचंद सकलेचा, मंत्री अशोककुमार बांठिया के नेतृत्व में एक मंडल ने यलहंका में विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के दर्शन कर आगामी वर्ष 2026 के लिए हीराबाग में चातुर्मास के लिए निवेदन किया। इस मौके पर संघ के उपाध्यक्ष नंदकिशोर समदड़िया, कोषाध्यक्ष धनराज सोनी, सहमंत्री जयचन्द लुणावत, मनोहरलाल बांठिया, राजमल सोनी, भंवरलाल सोनी, अशोक खिंवेसरा, राजेश बाँठिया, लीलाबाई सकलेचा, आशाबाई बांठिया, पुखराज बोथरा, गौतमचंद ओस्तवाल, शांतिलाल बोहरा, अशोककुमार चोपड़ा आदि उपस्थित थे। निवेदन को स्वीकार करते हुए प्रवर्तकश्री सुकनमुनिजी की स्वीकृति आने के बाद ज्ञानमुनिजी ने हीराबाग चातुर्मास करने की स्वीकृत की घोषणा की। घोषणा होते हुए संघ व समाज में खुशी की लहर छागई।

साधक धर्म साधना में सजग बनें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघीय उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, उपप्रवर्तिनी साध्वी सत्यप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी का मंगल पदार्पण रविवार को चामराजपेट स्थित सुखवीरचंद कोठारी के निवास पर हुआ। कोठारी परिवार ने संतों का भावभीना स्वागत किया। इस अवसर पर उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि साधक को अपनी साधना में हमेशा सावधान और सजग, जागरूक रहना चाहिए। दुःख के कारणों को जानना ही संसार को जानना है। यदि आप दुःख के कारणों को जानेंगे तो यह अनुभव करेंगे कि सुख पाने की इच्छा कभी फलीभूत नहीं हो पाती है, जब तक कि हम इस संसार में सुख ढूंढने की इच्छाओं को खत्म व शांत नहीं कर लेते हैं। क्षणिक सुख के लिए इंसान संसार के विषयों का सेवन करते हैं, अनेक प्रकार की हिंसा करते हैं, राग, द्वेष, क्रोध, मान, माया और लोभ के वशीभूत होकर कर्मो का बंधन कर लेते हैं और अपने संसार को भी इस तरह बढ़ा लेते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान की वाणी का सार यही है कि जो अपना नहीं है उसे पाने में अपना जीवन नष्ट मत करो और जो अपना है उसे व्यर्थ खोने का प्रयास मत करो। याद रखो कि यह संसार और संसार के सुख अपने नहीं है। संसार की चीजों में सच्चा सुख नहीं वरन सुख का आभास मात्र है। सच्चा सुख अन्तर में निहित है। सर्वज्ञ की वाणी हमें बोध प्रदान करती है और जीवन को सफल बनाने की कला सिखाती है। बोधहीन व्यक्ति सभी प्रकार के दुःख के पात्र हैं। जो अज्ञानी है वह पाप और पुण्य के

महत्व को कैसे जानेंगे? व्यक्ति के साथ उसके किए सत्कर्म, पुण्य और पाप ही चलते हैं। बाकी सब यहीं संसार में ही रह जाता है। हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। व्यक्ति धर्म साधना आराधना में सजगता ही जीव को संसार में अनेक प्रकार के कर्म बन्धन से बचा सकती है।

शालिभद्रमुनिजी ने कहा, जीवन को सुखी बनाना है तो सरलता, सकारात्मक व सहजता को जीवन मे अपनाना चाहिए। प्रारंभ मे समृद्धिजी, मेघाश्रीजी ने सबको धर्म ध्यान करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर के ट्रस्टी, चामराजपेट के सुखवीर चंद कोठारी, महावीरचन्द मेहता, सुरेश रुनवाल आदि उपस्थित थे। संचालन जितेश कोठारी ने किया।

संतश्री पंकजमुनि व वरुणमुनि का चातुर्मास विदाई समारोह सम्पन्न

तपस्वियों व कार्यकर्ताओं का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु। गुजराती जैन संघ में आयोजित विदाई समारोह व सम्मान समारोह में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि प्रभु महावीर ने साधु-साध्वियों के लिए चार महीने एक स्थान पर चातुर्मास करने का विधान बताया है। शेष आठ महीने संत साध्वियां नगर-नगर, ग्राम-ग्राम पदयात्रा कर धर्म प्रचार, सत्संग और मानवीय जीवन मूल्यों का संदेश समाज तक पहुँचाते हैं। संतश्री ने कहा कि जैसे पानी एक स्थान पर ठहर जाए तो उसमें काई लग जाती है, वैसे ही साधक यदि एक जगह रुक जाए तो आसक्ति उत्पन्न हो जाती है। साधक का मन कहीं जुड़े नहीं, अटके नहीं, भटके नहीं, इसी हेतु प्रभु महावीर ने आठ महीने पदयात्रा का विधान दिया है। गुरुदेव ने बताया कि गांधीनगर में संतों का चातुर्मास संपन्न हुआ है और 11 नवम्बर को राजाजीनगर की ओर विहार करेंगे। समारोह में संतों के सान्निध्य में धर्मप्राण वीर लोकाशाह जी, जैन दिवाकर गुरु श्री चौथमल जी एवं गुरु गणेशलाल जी तीनों महापुरुषों की जयंती के मौके पर गुण स्मरण किया। संतों ने कहा कि तीनों महापुरुषों ने अपना सम्पूर्ण जीवन लोकमंगल और लोककल्याण के लिए समर्पित किया, हम सभी उनके जीवन से सद्प्रेरणा ग्रहण करें, तभी उनकी जयंती मनाना सार्थक होगा।

संघ के प्रमुख राजेश मेहता ने कहा कि यह हमारे संघ के सौभाग्य

है कि राष्ट्रसंत पंकजमुनिजी, डॉ. वरुणमुनिजी व रूपेश मुनि जी म.सा. जैसे संतों का चातुर्मास हमें प्राप्त हुआ। यह चातुर्मास जप, तप, धर्म आराधना और साधना से परिपूर्ण रहा। गुजराती स्थानकवासी जैन श्रावक संघ द्वारा दीर्घ तपस्या करने वाले श्रावक श्राविकाओं, सेवा देने वाले कार्यकर्ताओं और समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। महिला मंडल और युवा मंडल के कार्यों का विशेष सम्मान कर एवं आभार प्रकट किया गया। रूपेशमुनिजी द्वारा प्रस्तुत भजन ने सम्पूर्ण सभा को भावविभोर कर दिया। राष्ट्रसंत पंकजमुनिजी के श्रीमुख से मंगल पाठ वाचन हुआ। संघ के महामंत्री चेतन अजमेरा एवं उपाध्यक्ष भरत मोदी ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

'मुसलमानों की नागरिकता, मताधिकार पर कोई खतरा नहीं'

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को सांप्रदायिक रंग देने के लिए रविवार को विपक्षी दलों की आलोचना की और कहा कि किसी भी मुसलमान की नागरिकता या मतदान का अधिकार खतरे में नहीं है।

उत्तर प्रदेश के रामपुर में कोयला ग्राम पंचायत में एसआईआर पर आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम के दौरान, अल्पसंख्यक मामलों के पूर्व मंत्री ने दावा किया कि कुछ छद्म धर्मनिरपेक्षतावादी, एक सुनियोजित राजनीतिक साजिश की आड़ में हर संवैधानिक सुधार पर सांप्रदायिक हमले शुरू करके मुसलमानों को राजनीतिक रूप से हाशिए पर डालना चाहते हैं, ताकि वे असुरक्षा के बीज बो सकें और वोटों की फसल काट सकें।

नकवी ने कहा कि भारी मात्रा में मुस्लिम वोट पाने वाले इन राजनीतिक दलों ने अल्पसंख्यक समुदाय को सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक या राजनीतिक रूप से सशक्त नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि ''पराजित वंशवादी'' परिवार से जुड़े लोग हिंसक अराजकता के जरिए जीवंत लोकतंत्र को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं की रक्षा और अपात्र मतदाताओं की जांच एक निर्णायक लोकतंत्र की चुनावी प्रणाली की एक सतत प्रक्रिया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए नकवी ने कहा कि ''झूठी लॉबी'' का ''हाइड्रोजन बम'' एक ''बुलबुला'' साबित हुआ क्योंकि संवैधानिक लोकतंत्र को बदनाम करने की उनकी चाल का पर्दाफाश हो गया है।

राजस्थान राजपूत संघ के स्नेह मिलन में वार्षिक कैलेंडर विमोचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान राजपूत संघ द्वारा सातवां वार्षिक दीपावली स्नेह मिलन समारोह रविवार को टुमकूर रोड स्थित भिक्षु धाम में मनाया गया । इस अवसर पर संघ के सभी सदस्य अपने परिवारजनों के साथ पारम्परिक राजस्थानी वेशभूषा में उपस्थित हुए । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान राजपूत समाज चेन्नई के

अध्यक्ष लालसिंह सिसोदिया, राजस्थान राजपूत समाज हैदराबाद के अध्यक्ष रड़मलसिंह परिहार व राजस्थान राजपूत समाज विजयवाड़ा के अध्यक्ष शैतानसिंह भायल सहित आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, गुजरात सहित विभिन्न राज्यों से भी अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। समारोह में समाज के प्रतिभाशाली मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संघ का वार्षिक कैलेंडर भी विमोचित किया गया। समारोह में अतिथियों ने आपसी स्नेह, एकता एवं सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया। संघ के अध्यक्ष सुजानसिंह भाटी, उपाध्यक्ष मगसिंह दहिया, सचिव भवरसिंह सोलंकी, उपसचिव गणपतसिंह राठौड़ चुरा और कार्यकारिणी सदस्यों ने सभी अतिथियों का सम्मान किया।

ध्वजारोहण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के संभवनाथ जैन मंदिर क्लब रोड पर मुनिश्री व्रज तिलकविजयजी की निश्रा में 21वां ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर सुमेरचन्द पदमचन्द रिखबचन्द नाहर परिवार के सदस्यों ने मंदिर के शिखर पर संतश्री की निश्रा में मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पूर्व नाहर परिवार के निवास से नूतन ध्वजा की शोभायात्रा निकाली गई तथा मंदिर में ध्वजापूजा की। विधिकारक जसवंत गुरु ने विधि विधान करवाया तथा संगीतमय ढंग से धार्मिक अनुष्ठान किए गए। रिखबचन्द नाहर ने सभी का स्वागत किया।

बीजेएस मैसूरु लेडीज विंग ने 'बाल दिवस' आयोजित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) लेडीज विंग ने रविवार को जैन स्थानक में चिल्लर पार्टी थीम पर बाल दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कहानी सुनाने की प्रतियोगिता, कठपुतली शो और अनेक रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें शामिल 30 बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। इस मौके पर बीजेएस के अध्यक्ष राजन बागमार, मुख्य सचिव दीपक बोहरा, कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला, शिक्षण संघ के अध्यक्ष बुद्धमल बाघमार सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिया

रांका, द्वितीय स्थान त्रिशा गादिया व तृतीय स्थान कशिश देसरला सहित अन्य विजेता बच्चों को पुरस्कार दिए गए।

स्वच्छता अभियान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के स्वच्छता आंदोलन परिवार के सदस्यों ने रविवार को हेमंत नगर के गणपति मंदिर परिसर में 21वें स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई की तथा परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर वी. मुकुंद, वाईबी पाटिल, सामाजिक कार्यकर्ता विनोद कुमार पटवा सहित स्थानीय लोगों ने साफ सफाई की।

जम्मू में आतंकवाद रोधी अभियान, कई जगहों पर छापेमारी जारी

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी संगठनों के खिलाफ जारी कार्रवाई का जम्मू के विभिन्न इलाकों में विस्तार करते हुए पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारे पर काम कर रहे स्थानीय आतंकवादियों और उनके 'ओवरग्राउंड वर्कर्स' (ओजीडब्ल्यू) से जुड़े ठिकानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कश्मीर के संदर्भ में ओजीडब्ल्यू का मतलब उन व्यक्तियों से है, जो आतंकवादियों को साजो-सामान उपलब्ध कराते हैं तथा गुप्त गतिविधियां संचालित करने में उनकी मदद करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि रामबन, किश्तवाड़, डोडा, कठुआ, रियासी, पूंछ और राजौरी जिलों में कई जगहों पर व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी है। जम्मू के डोडा जिले में बड़े पैमाने पर जारी आतंकवाद-रोधी अभियान के बीच शनिवार को कई संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। यह खुफिया जानकारी मिलने के बाद तलाश अभियान तेज कर दिया गया कि ऊंचाई वाले इलाकों में सक्रिय आतंकवादी सर्दियों के लिए मैदानी इलाकों में ठिकानों की खोज कर रहे हैं। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने एवं शांति बनाए रखने के लिए अपने प्रयास जारी रखे हैं तथा रामबन जिले के बनिहाल एवं गूल इलाकों में कई जगहों पर व्यापक घेराबंदी और तलाश अभियान चलाया है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com